राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–26 | अंक–02 | अगस्त, 2025 | कुल पृष्ठ–32 | मूल्य–₹ 15

राजस्थान प्रदेश से दिनेश कुमार पुत्र श्री चूना राम जोधपुर ओपन रोवर क्रू, जोधपुर एवं यतिन वर्मा पुत्र श्री ओमप्रकाश वर्मा राजस्थान ओपन रोवर क्रू, श्रीगंगानगर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के कर कमलों से अवार्ड प्राप्त करते हुए।

बनीपार्क जयपुर में आयोजित री–ऑरीएन्टेशन कोर्स में मुख्य अतिथि स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य, विशिष्ट अतिथि स्टेट कमिश्नर श्री आर.पी. सिंह के साथ समस्त संभागी।

चित्र-विथिका

22 जुलाई को महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कर कमलों द्वारा राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति अवार्ड कार्यक्रम का दृश्य।

बनीपार्क जयपुर में आयोजित री–ऑरीएन्टेशन कोर्स के दौरान फील्ड में प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त करती हुईं शिविर संभागी

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 26 अंक : 02
अगस्त, 2025

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
आर.पी. सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा

सम्पादक
डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक
नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
री-ऑरीएन्टेशन कोर्स-गाइड विभाग	5
यूथ कमेटी बैठक	6
बिगनर्स कोर्स, ब्यावर	6
लीडर ट्रेनर शिविर :-स्काउटिंग का अप्रतिम आनंद	7
स्काउट कमिश्नर एडवांस कोर्स	8
स्काउट शिविर की स्मृतियाँ	9
गतिविधि दर्पण	11
कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर	19
बारां का तृतीय जिला अधिवेशन	22
हमारे महापुरुष : विक्रम अंबालाल साराभाई	23
पर्यटन स्थल : घना राष्ट्रीय पक्षी अभयारण्य	25
हमारा स्वास्थ्य : बारिश का मौसम और हमारी सेहत	27
जल बिन सब सून	28
दक्षता पदक	29
गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/- संस्थागत शुल्क:150/-	1200/-

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

स्काउटिंग सर्वमान्य शिक्षा प्रणाली

मानवीय मूल्यों के संरक्षक के लिए यदि आज कोई सफल शिक्षा प्रणाली है तो वह है स्काउटिंग। समाज के विकास ही नहीं व्यक्तित्व व कृतित्व के विकास हेतु स्काउटिंग की शिक्षा हर दृष्टि से परिपूर्ण है जो आनन्द भाव के साथ सफल जीवन जीने की कला की शिक्षा दे दीक्षित करती है। स्काउटिंग एक संगठनात्मक कोरी परिकल्पना ही नहीं है वरन् सार्थकता की कसौटी पर खरी शिक्षा पद्धति है। हमें यह कहने में संकोच नहीं है कि स्काउटिंग शिक्षण पद्धति में मनोवैज्ञानिकता के साथ व्यावहारिक दृष्टिकोण भी है। अतः विश्व को एक सूत्र में बाँधने का कार्य कोई कर सकता है तो वह स्काउटिंग ही एक ऐसी शिक्षा प्रणाली है जिसमें ''वसुधैव कुटुम्बकम्'' की भावना है। अतः यह सर्वमान्य शिक्षा प्रणाली है।

जिन बालकों को स्काउटिंग ने सही परिप्रेक्ष्य में संस्कारित किया है वे आज भी अपनी प्रौढ़ा ही नहीं वृद्धावस्था में भी अपने परिजनों को फक्र से यह कहते हैं कि हमने स्काउटिंग की है। हमारे वयस्क लीडर्स ने खुले आसमान व सामुदायिक जीवन के माध्यम से जो कुछ सिखाया है उसी की बैसाखी से आज हम सुनागरिक कहलाने के पात्र हुए हैं। यदि स्काउटिंग गाइडिंग की वर्दीधारण करने वाला लड़का या लड़की अपनी पोशाक की सार्थकता सिद्ध न कर सके तो यह माना जाना चाहिये कि उसने सही मायनों में स्काउटिंग का झंडा नहीं फहराया व प्रार्थना नहीं गाई।

स्काउटिंग की शिक्षा एक सार्वभौम शिक्षा प्रणाली है, जो बालक के जन्मजात गुणों को सर्वतोन्मुखी उभार देने में पूर्ण वैज्ञानिक पद्धति है। यह पद्धति बालक को सही दिशा में जीवन जीने में ही नहीं संस्कारित करने में सफल रही है इसलिए इसका महत्व सभी को स्वीकार्य है।

त्यौहारों व पर्व के इस पावन माह में सभी को रक्षा बंधन, स्वतंत्रता दिवस, श्री कृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी और संवत्सरी पर्व की हार्दिक शुभकामनाओं सहित.....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

विद्यार्थियों के लिए मार्च का महिना परीक्षा का कहलाता है, उसी प्रकार जुलाई–अगस्त माह हमारे स्काउट गाइड संगठन के लिए परीक्षा का समय कहा जा सकता है। स्थानीय संघों, जिलों एवं राज्य मुख्यालय की कार्यकारिणी सभा तथा वार्षिक अधिवेशन इसी माह में सम्पन्न किये जाते है। परिषदों के वार्षिक अधिवेशन भी एक प्रकार की परीक्षा ही तो है। वर्ष पर्यन्त आपको क्या करना था, आपने क्या किया और इस सब में किस प्रकार की कमी रही अथवा किस–किस में आपने उत्कर्ष प्रदर्शन किया....इन सब बातों का जवाब इसी अधिवेशन में देना होता है।

प्रत्येक संगठन जिसमें स्वच्छ एवं स्वस्थ व्यवस्था है, में वार्षिक अधिवेशनों का आयोजन आवश्यक रूप से किया जाता है। हमारे संगठन में भी प्रत्येक स्तर पर कार्यकारिणी एवं कॉन्सिल गठित है और इनके वार्षिक अधिवेशन एक ऐसा महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं, जिसमें सत्र के दौरान सम्पन्न विभिन्न गतिविधियों, कार्यक्रमों एवं अर्जित उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए भावी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के आयोजन हेतु सर्वोच्च सदन में विचार–विमर्श किया जाता है। नये सुझाव व नयी विचारधारा का संगठन में आगमन होता है।

इसी व्यवस्था के कारण हमारा प्रदेश संगठन प्रत्येक वर्ष नवीन एवं अभिनव योजनाओं और गतिविधियों के आयोजन के माध्यम से समाज में अपना स्थान एवं मान्यता बनाने में कामयाबी के कदम बढ़ाता रहा है। आज प्रदेश की स्काउट गाइड गतिविधियों की छाप पूरे देश में पृथक से अंकित हो पाई है। राष्ट्रीय स्तर पर हमारी अभिनव योजनाओं को अपनाना प्रदेश संगठन के लिए गौरव की बात है।

जिन भी जिला एवं स्थानीय संघ ने अपने वार्षिक अधिवेशन तय समय पर और पूर्ण सफलता के साथ सम्पन्न कराये, को धन्यवाद। जिनके आयोजन होने अभी बाकी हैं, वे भी अपनी कार्यकारिणी व कॉन्सिल की बैठक शीघ्र ही सम्पन्न करावें। हमें पूर्ण विश्वास है कि निश्चित ही न केवल संभाग वरन् सम्पूर्ण प्रदेश संगठन कार्यकारिणी व वार्षिक अधिवेशनों में लिए गए निर्णयों से विकास एवं विस्तार के नये आयाम कायम करेगा।

शुभकामनाओं सहित....

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

री-ऑरीएन्टेशन कोर्स-गाइड विभाग

राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य के मुख्य आतिथ्य में हुआ समापन

श्रीमती नीता शर्मा
सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड)
मण्डल मुख्यालय, जयपुर

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में मण्डल मुख्यालय जयपुर पर 11 जुलाई से 15 जुलाई 2025 तक री–ऑरीएन्टेशन कोर्स फॉर ट्रेनर्स (गाइड विभाग) का आयोजन किया गया। इस 5 दिवसीय शिविर में आठ 8 राज्यों से कुल 27 ट्रेनर्स ने सहभागिता की। जम्मू कश्मीर–01, केन्द्रीय विद्यालय संगठन–01, छत्तीसगढ़–04, मध्यप्रदेश–04, महाराष्ट्र–02, वेस्टर्न सैन्ट्रल रेलवे–01, इस्टर्न रेलवे–01 और राजस्थान से 13 संभागी सम्मिलित हुए।

स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य के मुख्य आतिथ्य में 15 जुलाई 2025 को शिविर का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री आर्य ने मुख्य अतिथि के रूप में पधार कर एल.ओ.सी श्रीमती कुमुद मेहरा व प्रशिक्षक दल और सम्भागियों को सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर बधाई देते हुए विभिन्न राज्यों से आई ट्रेनर्स से संख्यात्मक वृद्धि और गाइडिंग को किस तरह से आगे बढाया जावे तथा ट्रेनर्स के क्या दायित्व और कर्त्तव्य है के बारे में चर्चा की। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे श्री आर.पी. सिंह स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) ने सम्भागियों को सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर बधाई दी।

इस मौके पर समापन समारोह का संचालन सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) मण्डल मुख्यालय, जयपुर श्रीमती नीता शर्मा ने किया तथा अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। शिविर संचालिका श्रीमती कुमुद मेहरा ने बुके भेंट कर राज्य मुख्यायुक्त महोदय का अभिनन्दन किया तथा सभी अतिथियों का शाब्दिक स्वागत कर शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

इससे पूर्व 11 जुलाई 2025 को शिविर का शुभारम्भ किया गया, जिसमें राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने मुख्य अतिथि के रूप में सभी शिविरार्थियों को उद्बोधन द्वारा प्रोत्साहित कर शुभकामनाएं दी तथा डिप्टी डायरेक्टर–गाइड एल.टी और बाहर से पधारे स्टाफ को बधाई दी। विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुषमा सिंघवी सहायक राज्य आयुक्त ने सम्भागियों को प्रशिक्षण के क्षेत्र में नवाचार हासिल कर प्रगति की ओर बढने हेतु मोटीवेट किया।

शिविर के दौरान सभी ट्रेनर्स सम्भागियों को वयस्क लीडर संबंधी समस्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु नवीनीकरण कराना, आधुनिक बनाने के उद्देश्य के साथ उपयुक्त व नवीन जानकारी के साथ अद्यतित करने के लिए सभी प्रकार की जानकारियों से अवगत कराते हुए सैद्धान्तिक व प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान कर पुनर्स्थापन व पुनर्विन्यास हेतु सभी प्रकार से उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। संभागियों को निम्नानुसार विशेष विषयों, पायनियरिंग, प्राथमिक चिकित्सा, अनुमान लगाना, तथा अन्य सभी आवश्यक व विशेष विषयों पर एसटीए कार्य, फ्लेग प्रोसीजर, विभिन्न विषयों पर सम्भागियों द्वारा लेसन देना व निम्न पाठ्यक्रम के अनुसार प्रशिक्षण दिया गया।

1. युवा कार्यक्रम और वयस्क नेतृत्व प्रशिक्षण पर आधारित मूल सिद्धांतों की व्याख्या करना।
2. संगठन के सिद्धांतों की व्याख्या
3. SOT (Scheme of Training) में हाल ही में हुए परिवर्तनों और भारत स्काउट्स और गाइड्स के नियमों को समझाना और अद्यतन करना।
4. युवा कार्यक्रम को वयस्क नेतृत्व प्रशिक्षण (प्रगति पथ) से जोड़कर परिभाषित करना।
5. गाइडिंग के गुणात्मक और मात्रात्मक पहलुओं में साझेदारी को समझाना।
6. प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का प्रभावी मूल्यांकन करना।
7. सामुदायिक विकास परियोजनाओं की पहचान करना।
8. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में कुछ अनसुलझे मुद्दों के समाधान निकालना।
9. लोगों को प्रभावित करने की तकनीकों की पहचान करना।
10. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को कैसे तैयार करें, यह समझाना।
11. प्रबंधन के सिद्धांतों की व्याख्या
12. विश्व वयस्क संसाधन नीति (World Adult Resource Policy) बताना।
13. KYT को समझना और अद्यतन करना (KYT=Know Your Trainer/ Training)।

स्काउट–गाइड परम्परा अनुसार अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर सम्मान किया गया। समापन समारोह के मौके पर राज्य संगठन आयुक्त स्काउट श्री पूरण सिंह शेखावत व कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुश्री सुयश लोढा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त श्री दामोदर प्रसाद शर्मा, सी.ओ. स्काउट शरद कुमार शर्मा तथा सी.ओ. गाइड इन्दु तंवर, ऋतु शर्मा व निरमा शर्मा (करौली) भी उपस्थित रहे।

यूथ कमेटी बैठक

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड की राज्य स्तरीय यूथ कमेटी बैठक का आयोजन दिनांक 11 जुलाई, 2025 को स्थानीय संघ, रामनिवास बाग (जयपुर) में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य संगठन आयुक्त श्री पूरण सिंह शेखावत ने की तथा बैठक का संचालन सी.ओ. स्काउट राज्य मुख्यालय श्री एल. आर. शर्मा ने किया। अतिथि के रूप में स्थानीय संघ सचिव श्री जगदीश नारायण शर्मा, अध्यक्ष यूथ कमेटी श्री उमाकांत शर्मा उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत प्रार्थना से की गई तत्पश्चात श्री एल.आर. शर्मा द्वारा सभी की उपस्तिथि ली गई। उसके बाद रेंजर कृष्णा राजपुरोहित (को–मेंबर आरवाईसी) द्वारा गत वर्ष हुई बैठक का विवरण प्रस्तुत किया गया तथा श्री पूरण सिंह शेखावत द्वारा यूथ कमेटी में होने वाले नये बदलाव की जानकारी दी गई तथा उनका मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। यूथ कमेटी को और बेहतर बनाने के लिए सदस्यो द्वारा बैठक में नये सुझाव भी प्रस्तुत किये गए। यूथ कमेटी अध्यक्ष उमाकांत शर्मा के माध्यम से यूथ की माँग को राज्य मुख्यालय के पदाधिकारियों के समक्ष रखा गया। शुभम शर्मा (स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर) द्वारा रिपोर्ट बनाने और सब्मिट कराने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया।

बैठक के अंत सभी उपस्थित को–मेंबर्स को राज्य मुख्यालय द्वारा मोमेंटो दिया गया। तत्पश्चात सभी सदस्यों

ने वृक्षारोपण भी किया। अंत में प्रियंका सोलंकी (उपाध्यक्ष यूथ कमेटी) द्वारा सभी संभागियों और पदाधिकारियों का आभार प्रकट किया गया।

बिगनर्स कोर्स, ब्यावर

भारत स्काउट व गाइड, ब्यावर का बिगनर्स कोर्स 9 जुलाई को रा.उ.प्रा.विद्यालय कृष्णा कालोनी ब्यावर में सम्पन्न हुआ। शिविर में सी.ओ. गाइड अनिता तिवाड़ी व सी.ओ. स्काउट नरेन्द्र खोरवाल उपस्थित रहे। शिविर की अध्यक्षता सहायक स्टेट कमिश्नर विमल चौहान एवं विशिष्ट अतिथि प्रभारी जिला कमिश्नर जवाजा ताराचंद जांगिड़ और लीडर ट्रेनर विनोद मेहरा ने की।

स्थानीय संघ ब्यावर के सचिव मोहन सिंह चौहान ने बताया कि एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में 86 स्काउटर गाइड ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसमें स्थानीय संघ ब्यावर के 12, मसूदा के 58, तथा जवाजा के 16 प्रशिक्षाणार्थी शामिल रहे। इस अवसर पर श्री खोरखाल ने स्काउट प्रार्थना, गणवेश, विभिन्न प्रशिक्षण शिविरों, पुरस्कारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्रीमती तिवाड़ी ने फार्म 58 के बारे में बताते हुए इसकी पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। प्रधानाचार्य ताराचन्द जांगिड ने कहा कि स्काउट गाइड बच्चों में संस्कार डालने में अहम भूमिका निभाता है। अध्यक्षता करते हुए सहा स्टेट कमिश्नर विमल चौहान ने बताया कि ब्यावर के चार निजि विद्यालयों में स्काउट गाइड गतिविधि शुरू की गई है। उन्होंने सभी से अन्तर्राष्ट्रीय संगठन से जुड़ने तथा अपने अपने विद्यालयों में स्काउटिंग गाइडिंग प्रारंभ करने की अपील की। लीडर ट्रेनर विनोद मेहरा ने सामान्य जानकारी देते हुए बताया कि स्काउटिंग क्यों जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने अपने अनुभव साझा किये। इस अवसर पर पचमढ़ी से हाल ही में एडवास कमिश्नर कोर्स करने वाले ताराचन्द जांगिड़ का साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

इससे पूर्व स्थानीय संघ के सचिव श्री चौहान ने सभी अतिथियों का माला और साफा पहनाकर स्वागत किया।

लीडर ट्रेनर शिविर : स्काउटिंग का अप्रतिम आनंद

सुभाष पारिक
परबतसर, नागौर

सैर कर गाफिल
जिंदगानी फिर कहा,
जिंदगानी गर रही
तो नौजवानी फिर कहां

किसी शायर की यह पंक्तियां यात्रा के शौकीन लोगों को अनायास ही नई नई यात्राओं के रोमांच की ओर आकर्षित करती है। ऐसी ही एक अद्भुत यात्रा करने का अवसर नेशनल ट्रेनिंग सेंटर पचमढ़ी पर लीडर ट्रेनर स्काउट शिविर करने का अवसर मुझे मिला। दिनांक 15 से 21 जून 2025 तक एनटीसी पचमढ़ी पर आयोजित शिविर की अंतिम सूची में नाम पाकर खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

योग्यता अभिवृद्धि की तमन्ना प्रत्येक मनुष्य में रहती है। जब इस शिविर की अंतिम सूची में मेरा नाम आया तो अपनी योग्यता अभिवृद्धि की बात को सोच सोच कर मेरा मन प्रफुल्लित हो उठा। अपनी सारी तैयारियां पूरी करते हुए 13 जून को परबतसर से किशनगढ़, किशनगढ़ से इटारसी, इटारसी से पिपरिया और पिपरिया से पचमढ़ी तक की यात्रा बस, रेलगाड़ी, कार के माध्यम से पूरी की।

पचमढ़ी का नाम सुनकर एक अलग ही आनंद और रोमांच की अनुभूति मन में बार–बार हो रही थी। शिविर के शुभारंभ से पूर्व पहले दिन पचमढ़ी पहुंचकर अपनी आवास व्यवस्था को व्यवस्थित करते हुए पूरी रात भर शिविर के प्रथम दिवस को लेकर मन में अनेको प्रकार के ख्याल उमड़ते रहे। शिविर के प्रथम दिन 15 जून को प्रातःकालीन नाश्ते के बाद रजिस्ट्रेशन करवा कर शिविर में शामिल होना मन को सुकून देने वाला पल था। प्रथम सत्र में डीडीएसएलटी एस एस राय सर का ऊर्जावान उद्बोधन, नेशनल कमिश्नर के सुकुमारा की प्रेरणादायक मोटिवेशनल स्पीच हर निराश व्यक्ति के मन में ताजगी और ऊर्जा लाने का काम कर रही थी।

शिविर में पूरे भारतवर्ष के 38 एवं एक बांग्लादेश के संभागी के साथ कुल 39 स्काउटर लीडर ट्रेनर का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। शिविर में चार महिला संभागी भी कंधे से कंधा मिलाकर शिविर के प्रशिक्षण को बुलंदियों पर लेकर जा रही थी। लीडर ट्रेनर के इस शिविर में शिविर संचालक एस एस राय सर के साथ सह संचालक के रूप में के. सुकुमारा, जी.के. गिरीश सर, अरविंद श्रीवास्तव सर, मैडम कार्तिकेयानी, आईटी एक्सपर्ट अदनान सर, बाबूलाल कुमावत सर का सहयोग प्रत्येक शिविरार्थी के मन को छू रहा था। शिविर संचालक एस एस राय सर की स्काउट कमांड बता रही थी कि व्यक्ति अनुभव से कितना महान बनता है। के. सुकुमारा सर का स्काउट के क्षेत्र में अनुभव सबको आकर्षित कर रहा था। जी.के. गिरीश सर के स्काउटिंग ज्ञान और सरलता ने सभी का मन मोह लिया। अरविंद श्रीवास्तव सर ने स्वास्थ्य प्रतिकूल होते हुए भी प्रशिक्षण के साथ साथ डॉक्यूमेंट संबंधित कार्यों को बहुत कुशलता के साथ पूर्ण किया। अदनान सर का कंप्यूटर ज्ञान वर्तमान युग में खुद को अपडेट रखने के लिए प्रेरित करता हुआ नजर आया। बाबूलाल कुमावत सर में भविष्य के लीडर की संभावनाएं नजर आ रही थीं।

'हर कदम पर इम्तिहान है, हर इम्तिहान में जीत है, प्रशिक्षण ही तो है वो राह, जो हमें मंजिल तक ले जाती है।' शिविर के प्रशिक्षण का स्तर सच में बेहतरीन था। सभी प्रशिक्षकों ने बहुत कुशलता के साथ प्रशिक्षण को ऊंचाइयों पर पहुंचाया। शिविर की भोजन व्यवस्था बहुत अच्छी थी। विभिन्न संस्कृतियों को सहेज कर नाश्ते में पोहे जलेबी, छोले भटूरे, इडली सांभर, उपमा जैसे व्यंजनों ने सभी को घर के भोजन का अहसास करवाया।

शिविर के दौरान मौसम भी अटखेलिया करता हुआ नजर आया। कभी सूर्यदेव बादलों की ओट में छिपे नजर आते तो कभी शानदार बारिश मन की तपन को ठंडक का अहसास करवा देती थी। शिविर में 19 जून को राजस्थान के लिए गर्व का दिन था। चुरू जिले के सी.ओ. महिपाल सिंह के नेतृत्व में चूरू टीम ने धीमन पार्क में श्री रामस्वरूप जी धीमन की मूर्ति का अनावरण कार्यक्रम आयोजित करते हुए धीमन पार्क को सुंदरता के साथ प्रतिष्ठित किया। इस कार्यक्रम में बारिश की अटखेलिया मानो धीमन

स्टैच्यू अनावरण की खुशियों को बयान कर रही थी। शिविर के दौरान राजेंद्र पार्क का भ्रमण कर प्रकृति की खूबसूरती को नजदीक से निहारने का अवसर मिला। पहाड़ों की वादियों में अप्रतिम हरियाली ने सात दिन के शिविर की पूरी शारीरिक और मानसिक थकान को दूर कर दिया।

शिविर के छठवें दिन कैंप फायर में ऐसा प्रतीत हुआ कि संपूर्ण भारत पचमढ़ी में एकत्रित हो चुका है। तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केवीएस, महाराष्ट्र की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को रोमांचित कर दिया। राजस्थान की ओर से हमारी प्रस्तुति ने पूरे शिविर परिवार को आनंद से सराबोर कर दिया। शिविर में हमारी आवास व्यवस्था इस प्रकार थी कि सांस्कृतिक आदान प्रदान का बेहद शानदार अवसर हम सभी संभागियों को मिल रहा था। राजस्थान से इस शिविर में द्वारिका प्रसाद शर्मा भरतपुर, अमजद यूसुफी बारां और मैं सुभाष पारीक परबतसर ने सहभागिता की थी। निश्चित रूप से इस शिविर में सीखे हुए ज्ञान से हमारे ज्ञान में अभिवृद्धि हुई है। मैं अपने गुरु शैलेश कुमार पलोड लीडर ट्रेनर परबतसर, डीडवाना कुचामन सी.ओ. मोहम्मद अशफाक पंवार, अजमेर मंडल के सहायक राज्य संगठन आयुक्त विनोद दत्त जोशी और राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बन्नालाल सर का आभार व्यक्त करता हुं कि लीडर ट्रेनर शिविर में मुझे सहभागिता करने का अवसर प्रदान कर एक बेहतरीन प्रशिक्षण प्राप्त करने का मुझे अवसर आपके आशीर्वाद से मिला जिसे मैं जीवन भर नहीं भूल पाऊंगा।

शुभ स्काउटिंग....!

स्काउट कमिश्नर एडवांस कोर्स

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में कमिश्नर एडवांस कोर्स का आयोजन दिनांक 23 से 27 जून 2025 तक नेशनल ट्रेनिंग सेंटर पचमढ़ी मध्य प्रदेश पर किया गया। सी.ओ. स्काउट गोविंद मीणा ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित एडवांस कमिश्नर कोर्स में कुल 65 शिक्षा अधिकारियों ने पूरे भारतवर्ष से भाग लिया, इसमें राजस्थान प्रदेश से 47, केंद्रीय विद्यालय संगठन से 12, नवोदय विद्यालय संगठन से 02, और उड़ीसा राज्य के 04 शिक्षा अधिकारी सम्मिलित हुए। राजस्थान से कुल 47 सहायक जिला कमिश्नर में से पाली जिले के 03 शिक्षा अधिकारी इस शिविर में सम्मिलित हुए। गौरतलब है कि पाली जिले से 10 साल से ज्यादा लंबी अवधि के बाद किसी शिक्षा अधिकारी द्वारा एडवांस कोर्स किया गया है।

जिले से मोहनलाल भाटी प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नेहड़ा बेड़ा, सोजत सिटी, रूपेश राठौर प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नारलाई और छगनलाल भाटी प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सादड़ी ने कमिश्नर एडवांस कोर्स में सहभागिता कर राजस्थान का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय स्तर पर किया एवं विभिन्न प्रकार के दैनिक कार्यक्रम यथा एडवेंचर गतिविधियां, योग प्राणायाम एवं विभिन्न आसन, कैंप फायर कार्यक्रम, लोकगीत, लोक नृत्य, सर्वधर्म प्रार्थना सभा, ध्वज शिष्टाचार एवं स्काउट संगठन की प्रशासनिक गतिविधियों का प्रशिक्षण लेकर सफलता के शिखर को प्राप्त किया। सभी शिक्षा अधिकारियों के कमिश्नर कोर्स में भाग लेने पर जिला अध्यक्ष स्काउट गाइड संगठन पाली महेंद्र बोहरा, समस्त उपाध्यक्ष, वरिष्ठ स्काउट यूनिट लीडर ताराचंद जैन, लीला जैन, प्रकाश चंद सिंघाड़िया, पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी, नरेन्द्र वैष्णव, जिला मुख्य आयुक्त, जिला शिक्षा अधिकारी पाली, सीबीईओ दलपत सिंह सांखला, ईसीबीओ जयदेव शर्मा, मोहम्मद रफीक, देवेंद्र प्रसाद डाबी, धर्मेंद्र पालारिया सहित अनेक शिक्षा अधिकारियों ने प्रशिक्षण में भाग लेने वाले विभाग के अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

सी.ओ. गाइड डिंपल दवे ने बताया कि इन कमिश्नर्स के माध्यम से राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड की गतिविधियों को जिले में और अधिक ऊंचाई तक ले जाने हेतु समन्वित रूप से कार्य किया जाएगा एवं देश व समाज के लिए सुयोग्य नागरिकों का निर्माण करने हेतु बालक बालिकाओं, छात्र–छात्राओं को स्काउट गाइड संगठन से जोड़ा जाएगा। सी.ओ. स्काउट गोविंद मीणा ने बताया कि इस शिविर में डीडीएसएलटी स्काउट एस एस राय ने किया तथा केरल के जी. कुमार, छत्तीसगढ़ के वीर सिंह, कर्नाटक के के. कुमार, केवीएस के ज्योति एम.के., तमिलनाडु के नागराजन, और उत्तर प्रदेश की वंदना तिवारी ने संचालन एवं प्रशिक्षण देने में अपना योगदान दिया।

स्काउट शिविर की स्मृतियाँ

राम कुमार प्रजापति
लक्ष्मणगढ़, अलवर

पल पल तारे टूट रहे हैं किस्मत के गलियारे में।
सारे ख्वाब छिपे बैठे हैं जाने क्यों अँधियारे में।।

स्काउटिंग हमें एक स्थान से दूसरे स्थान के भ्रमण का अवसर प्रदान करती है। जिससे हमारे ज्ञान और अनुभव में वृद्धि होती है। इस तरह सचमुच स्काउटिंग एक जीवन जीने की आदर्श कला है। आज की युवा पीढ़ी को स्काउटिंग की महती आवश्यकता है। ताकि वह विनाश की ओर न जा कर विकास की ओर उन्मुख हो सके। भारत भूमि पर जन्म लिया है तो इसकी कुछ सेवा कर सके।

वीरों की यह धरा हमारी,
यश गाता जग सारा है।
जन्म लिए हम इस धरती पर,
यह सौभाग्य हमारा है।

यात्रा सिर्फ स्थान बदलने का नाम नहीं है; यह दिलों को छूने, मन को आजाद करने और यादें बनाने का जरिया है। चाहे वह पहाड़ों का खिंचाव हो, समुद्र की शांति हो, या यात्रा योजनाओं की चुनौतियाँ, यात्रा का असली आनंद उसके सफर में है।

तो, अपने बैग पैक करो या कम से कम अपने सपनों को संभालो और उस खूबसूरती को खोजने निकल पड़ो जो आपके इंतजार में है। याद रखो, जिंदगी भी एक सफर है, और हर पल एक नई खोज का मौका है। जिंदगी में यात्रा सबको करनी पड़ती है। कोई आध्यात्मिक यात्रा करता है तो कोई भौतिक यात्रा। मैं आज मेरे द्वारा की गई अर्बुद पर्वत की ऐतिहासिक यात्रा के बारे में अवगत करा रहा हूँ। जिसकी पटकथा कुछ ऐसे तैयार हुई।

स्वामी केशवानंद शिक्षण संस्थान, लक्ष्मणगढ़, अलवर से राज्य स्तरीय स्काउट यूनिट लीडर एडवांस कोर्स के लिए हम तीन सदस्यों का चयन हुआ। जिसमें राम कुमार प्रजापति, लोकेश अवस्थी व जोगेन्द्र पाल जी का नाम था। यह सात दिवसीय शिविर माउंट आबू में लगना तय हुआ। हम 17 मई, 2025 को केशवानंद स्कूल लक्ष्मणगढ़ से माउंट आबू जाने के लिए तैयार हुए। संस्थान के निदेशक श्रीमान मोरध्वज सिंह चौधरी व स्थानीय संघ सचिव जमालुद्दीन खान जी ने हमारा स्वागत करते हुए रवानगी दी। यात्रा का अपना अलग मिजाज और जुनून होता है, वह हमारे आचरण से झलक रहा था। बस अपने क्षेत्र की बस्तियों को छोड़ कर आगे बढ़ रही थी। रास्ता सीधा–सपाट तो कहीं खुरदरापन लिए हुए था। हम तीनों साथी अपने मन के उद्‌गार व्यक्त करते हुए लगभग 11 बजे जयपुर पहुँचे। यहाँ हमने विश्रामालय में बैठ कर भोजन किया। उसके बाद हमने माउंट आबू जाने वाली बस की जानकारी हांसिल की। टिकिट की तो कोई चिंता थी नहीं क्योंकि हम तीनों साथियों के पास निःशुल्क सफर का पास जो था। हम बस में बैठ गए। कुछ बातचीत करते हुए समय गुजरने लगा। बस रात्रि 12 बजे अजमेर, ब्यावर, सोजत, पाली, सिरोही के रास्ते आबू रोड़ पहुँची। उतर कर हमने यहाँ एक होटल पर रजवाड़ी चाय का आनंद लिया। जहाँ एक भाई साहब अपने अंदाज में चाय पिला रहा था। उसकी चाय बनाने की कला भी अनोखी थी। मैं उस पर विशेष गौर कर रहा था। फिर कुछ पूँछताछ की तो पता चला कि आबू पर्वत तो अभी आगे है। रात्रि में टैक्सी वाले किराया कुछ ज्यादा लेते हैं। इस वजह से हमने सुबह चलने का निर्णय लिया। हम तीनों साथी यही केंद्रीय बस स्टैंड पर विश्राम करने लगे। थके होने के कारण नींद की झपकियाँ आने लगी। हम बारी बारी से कुछ सोते कुछ जागते रहे। रात्रि की निस्तब्धता चारों तरफ फैली थी। सवेरा होते ही मन को लुभाने वाले दृश्य दिखाई पड़े। मन करता इन्हें बार बार देखते ही रहें। देखकर ऐसा लगने लगा जैसे कोई जन्नत में आ गए हैं, लेकिन हमें ट्रेनिंग सेंटर पहुँचने की जल्दी थी इसलिए हम राजकीय बस में बैठकर आबू पर्वत के लिए रवाना हुए। ऊँची नीची पहाड़ियों को चीरती हुई बस सघन वनों से गुजरने लगी। तरह तरह की वनस्पतियों से आच्छादित पहाड़ सुंदर और मोहक लग रहे थे। रास्ते में करौंदे, आम, धौंक, बांस कनेर व फूलों वाले पोधों की भरमार थी। रास्ते एकदम जलेबी की तरह घुमावदार। नीचे हजारों फीट गहरी खाइयाँ, सघन वृक्षों से आच्छादित वादियाँ मन में जरूर थोड़ा भय पैदा कर रही थी लेकिन मन का उत्साह उसे अंदर ही अंदर दबा रहा था। हम तीनों स्काउटर प्रातः 8 बजे आबू पर्वत पहुँचे। यहाँ के केंद्रीय बस स्टैंड से वापस लगभग 200 मीटर चलकर मधुवन होटल के पास एक मोड़ की तरफ घूमें। जहाँ स्काउट ट्रेनिंग सेंटर नं. 1 का बोर्ड लगा हुआ है। पैदल चलकर हम अपने ट्रेनिंग सेंटर पहुँचे। अपना सामान एक तम्बू में रखा। दैनिक कार्यों से निवृत्त होकर यूनिफॉर्म पहनी। अपने दस्तावेज लेकर मिलन सर्किल पहुँचे जहाँ रिपोर्टिंग हो रही थी। हमने अपनी रिपोर्टिंग कराई, यहीं पर दस्तावेजों की व यूनिफॉर्म की जाँच हुई, आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके बाद हमने चाय नाश्ता लिया। इस तरह हमारे प्रथम दिवस के शिविर की शुरुआत हुई। सभी स्काउट्स को एक हॉल में एकत्रित करके 8 टोलियों में बाँटा गया। परिचय का दौर चला। इस शिविर का संचालन परबतसर, अजमेर से आए विनोद दत्त जोशी कर रहे थे। सभी प्रकार की सुविधाएं स्थानीय सी.ओ. जितेंद्र भाटी उपलब्ध करा रहे थे। प्रशिक्षक दल में भँवर

सिंह भाटी, शैलेष फलोड़, भँवर लाल हर्षवाल, बलराज व सुभाष पारीक मौजूद थे। इसके अलावा रोवरिंग व कबिंग के प्रशिक्षक भी उपस्थित थे। शिविर के पहले ही दिन प्रशिक्षक हर्षवाल जी और शैलेष जी फलोड़ ने सभी प्रतिभागियों का दिल जीत लिया। उनकी प्रशिक्षण देने की शैली बहुत ही प्रभावी और आकर्षक थी। सुभाष पारीक के वक्तव्य सीधे दिल को प्रभावित करने वाले थे। उनका मिलनसार व्यवहार सभी को बहुत अच्छा लगा। विनोद दत्त जोशी तो हमारे पूरे शिविर का व्यवस्थित ढंग से संचालन करने में जुटे थे। उनके मन की भावना थी कि शिविर में कोई कमी न रह जाए। इसके लिए वे पूरी तरह से प्रतिबद्ध थे। मेरी टोली को हाथी टोली नाम मिला। जिसमें हम 9 सदस्य थे। सभी हँसमुख और व्यवहार कुशल थे। जगदीश मेघवाल तो ज्यादा ही विदूषक थे, जो अपने मिजाज से दिन भर तरोताजा रखते थे। दिनभर का समय स्काउट गतिविधियों से गुजरने लगा। सुबह पाँच बजे संगीत के साथ जागना, दैनिक कार्यों से निवृत्त होना, बीपी सिक्स में भाग लेना, व्यायाम करना, खेल खेलना, सेवा कार्य करना, नाश्ता करना, स्काउट ध्वजारोहण करना, पाठ्यक्रम की कक्षाएं लेना, दोपहर का भोजन, भोजनोपरांत कक्षाएं, प्रायोगिक प्रोजेक्ट पूरे करते हुए चाय नाश्ते के साथ, रात्रि का भोजन और फिर कैम्प फायर। रात्रि 10 बजे शयन करना ये हमारी दैनिक व्यस्ततम गतिविधियाँ थी। जिन्हें देखकर हमें ऐसा लगता कि गतिविधियाँ ज्यादा हैं परन्तु समय कम हैं।

शिविर के पाँचवे दिन ही हमारे साथ एक वाकिया घट गया। सभी अपने अपने टैंट में सो रहे थे मयूर टोली के सदस्य पहरा दे रहे थे। रात्रि में शिविर स्थल के बीच भालू की हलचल दिखाई दी। जाग कर देखा तो एक मादा भालू अपने दो बच्चों के साथ अठखेलियाँ कर रही ही। कभी उन्हें पीठ पर बिठाती तो कभी दूध पिलाने लगती। कभी तम्बूओं के अंदर झाँक कर देखती। तम्बुओं के अंदर सोने वाले साँस रोककर, दिल थाम कर, भयभीत अवस्था में मुर्दों की तरह लेटे थे। यह सब हम अपने तम्बुओं से देख रहे थे। मन ही मन अपने भाईयों के दर्द को महसूस कर रहे थे। अगले दिन यह भालू शिविर में दिनभर चर्चा का विषय रहा। शाम को हम सभी अपनी अपनी टोली के साथ नक्की झील पहुँचे। जहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य अद्वितीय और मनोरम था। यह राजस्थान की सबसे ऊँची मीठे पानी की मानव निर्मित झील है। इस पर टॉड रॉक और नन रॉक स्थित हैं। इस झील के बारे में कहा जाता है कि इसका निर्माण देवताओं ने अपने नाखूनों से खोद कर किया था। यह लगभग 1200 मीटर की उँचाई पर स्थित है जो लगभग 2.5 किलोमीटर के क्षेत्र में फैली है। यहाँ हजारों की संख्या में पर्यटक घूमने आते हैं और झील की पवित्रता का लाभ उठाते हैं। इसे देखने के उपरांत सभी वापस शिविर में लौटे। इसके अगले दिन हमें हाईक के लिए भेजा गया, जो हमारे पाठ्यक्रम का हिस्सा थी। हम अपनी टोली के साथ चिह्नों की खोज करते हुए स्काउट प्रशिक्षण केन्द्र 2 पर पहुँचे। यहाँ हमने अपना तम्बू बनाया। बिस्तर लगाकर आराम किया। यहीं पर हमने कम से कम बर्तनों में बढ़िया भोजन तैयार किया। सभी सदस्यों ने मिलकर बनाया और मिलकर खाया। हमारे द्वारा बनाए गए भोजन की सभी ने सराहना की। यहाँ हमने एक रात्रि विश्राम किया। दूसरे दिन हम प्रातःकाल होते ही गौमुख व महर्षि वशिष्ठ आश्रम की तरफ भ्रमण पर निकले। 730 सीढ़ियों के पहाड़ी ढ़लान व खौफनाक घाटियों से गुजरते हुए हम गौमुख धाम पहुँचें। यह धाम आबू पर्वत बस स्टैंड से तीन किलोमीटर दक्षिण की तरफ सघन वन में स्थित है। यहाँ पवित्र पावनी सरस्वती गंगा अपनी अविरल गति से बह रही है। विश्वामित्र ऋषि के शाप का उद्धार करने के लिए वशिष्ठ ऋषि ने यहाँ सरस्वती को प्रकट किया था। यहाँ हमने वह हवन कुंड भी देखा जिसमें आहूति डालकर राजपूत वँश की उत्पत्ति की गई। महाभारत के प्रमाण अनुसार राजा दिलीप ने यहाँ 21 दिन नन्दिनी गाय की सेवा की थी। उसी के पुण्य से उन्हें रघु जैसे यशस्वी पुत्र की प्राप्ति हुई। राजा रघु के चौथे वंश में भगवान राम चन्द्र का जन्म हुआ। श्री राम के पूर्वज रघु जी वशिष्ठ जी को कुल गुरु बना कर अयोध्या यहीं से ले गए थे। यहीं पर प्राचीन काल का एक शिव मन्दिर भी बना हुआ है। यहाँ लगभग 700 साल पुरानी खण्डित मूर्तियाँ रखी हुई हैं जो वर्षों पहले भू स्खलन में क्षतिग्रस्त हो गई थी। यहाँ की शोभा अनुपम है। इसे देखने के बाद हम सभी साथी वापस अपने कैंप में आए। दोपहर बाद हम फिर गाड़ियों में बैठकर ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण पर निकले। हमने देलवाड़ा का जैन मंदिर देखा, जो अपनी कलात्मकता की दृष्टि से अद्वितीय बना हुआ है। सफेद रंग के पत्थरों से इसे बनाया गया है। इसकी नक्काशी देखते ही बनती है। जितने भी पत्थर लगाए गए हैं, उन्हें मूर्ति के आकार में ढाला गया है। फिर मन्दिर का आकार दिया गया है। इस मंदिर की भव्यता को अपने अन्तस् में समेटते हुए हम अचलगढ़ के ऐतिहासिक दुर्ग पर पहुँचे। यहाँ भी अचलेश्वर महादेव का प्राचीन मंदिर बना हुआ है।

यहाँ के पुजारी ने हमें बताया कि यहाँ भगवान शिव के अंगूठे की पूजा होती है। हमने उसके भी दर्शन किए। मन्दिर के पिछले हिस्से में दो भैंसों की मूर्तियाँ बनी हुई हैं। जहाँ लोग अपने फोटो खिंचाने में मस्त रहते हैं। मन में आद्यात्मिक भावों की सरिता सी बहने लगी। कण्ठ से संगीतमयी स्वर प्रस्फुटित होने लगे। हमने इससे थोड़ी आगे ब्रह्माकुमारी शांति पार्क का भी भ्रमण किया। इससे भी आगे हम पहाड़ की ऊंचाइयों को मापते हुए गुरु शिखर पर पहुँचे। यह राजस्थान की सबसे ऊँची चोटी होने का गौरव रखती है। यहाँ के कुछ छायाचित्र अपने कैमरे में कैद कर हम वापस नीचे उतरे। यहाँ हमने महर्षि दत्तात्रेय के प्राचीन मंदिर को देखा, जो पहाड़ की चट्टानों को काटकर बनाया गया है। गुरुशिखर से लौटकर हम अर्बुदादेवी के मंदिर पहुँचे। यहाँ भी हमें पहाड़ी सीढ़ियों से गुजरना पड़ा। अर्बुदादेवी मन्दिर के रास्ते में हमने कई प्रकार के जंगली जीवों को देखा। जो भोजन की तलाश में शायद सीढ़ियों के पास आ गए थे। यहाँ सैलानियों का मुख्य आकर्षण भालू थे। जो अपने बच्चों के साथ अठखेलियाँ करते घूम रहे थे। हमने यहाँ अर्बुदादेवी के मंदिर की परिक्रमा की और वापस शिविर में लौट कर आ गए।

शेष पृष्ठ सं. 26 पर

गतिविधि दर्पण

अजमेर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, टोंक की द्वितीय कार्यकारिणी समिति बैठक का आयोजन 11 जुलाई 2025 को जिला मुख्यालय गुलजार बाग टोंक पर संपन्न हुआ। बैठक

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती सुशीला करनानी, जिला शिक्षा अधिकारी श्री भंवरलाल कुम्हार, जिला प्रारंभिक उपाध्यक्ष रमेश चंद काला, पदमचंद सोगानी के नेतृत्व में संपन्न हुई।

भरतपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, भरतपुर जिले की जिला कार्यकारिणी मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री अमित कुमार शर्मा के अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यकारिणी में जिला शिक्षा अधिकारी

एवं जिला कमिश्नर श्री सुरेंद्र गोपालिया, सहायक स्टेट कमिश्नर श्री प्रदीप शर्मा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट श्री गिर्राज प्रसाद गर्ग, प्रचार प्रसार अधिकारी श्री हरि ओम, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती नीलम, जिला कोषाध्यक्ष, जिला सचिव आदि उपस्थित रहे।

बीकानेर मण्डल

❖ बीकानेर के एजी मिशन इंटरनेशनल स्कूल श्रीडूंगरगढ़ विद्यालय में सहायक राज्य संगठन आयुक्त श्री रामजस लिखाला, सी.ओ. जसवंत सिंह राजपुरोहित व मीनाक्षी भाटी ने समग्र स्काउटिंग गाइडिंग प्रारंभ करने के लिए 16 जुलाई

2025 को विज़िट की। इनके द्वारा संस्था प्रधान को स्काउट, गाइड यूनिट गठन, संचालन एवं बालक बालिकाओं की सदस्यता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और कब बुलबुल एवं स्काउट गाइड के मान्यता पत्र सुपुर्द किए गए।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के निर्देश की अनुपालना में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भुकाना में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। विद्यालय की गाइड कैप्टन विजेता नेहरा ने बताया कि प्रधानाचार्य सुमन कुमारी के निर्देशन में विद्यालय परिसर में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान एवं इको क्लब गतिविधियों के तहत पौधारोपण किया गया, जिसमें विभिन्न प्रकार के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर आयोजित जनसंख्या दिवस संगोष्ठी में इको क्लब प्रभारी विजेता नेहरा ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष में जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए हमें आधिकारिक पेड़ पौधे लगाकर पर्यावरण का संरक्षण करना चाहिए। इस दौरान उप प्रधानाचार्य श्योपाल ने सभी का उत्साहवर्धन किया एवं विद्यालय प्रधानाचार्य सुमन कुमारी ने सभी का आभार प्रकट करते हुए पर्यावरण संरक्षण की महती आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान व्याख्याता नरेंद्र सोहू, मनोज कुमार, शकुंतला, सुनीता ओला, सुनीता कुल्हरी, रजनी मीणा, प्रकाश कुमार, ओम प्रकाश, रामजीलाल इंदिरा सहित विद्यालय के स्काउट गाइड्स एवं इको क्लब सदस्य उपस्थित रहे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में जिला कार्यकारिणी एवं जिला मूल्यांकन समिति बैठक का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक राजेश मील की अध्यक्षता एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अलसीसर राजेंद्र कुमार खीचड़ के मुख्य आतिथ्य तथा जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा संतोष सोहु एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चिड़ावा उमादत्त झाझडिया के विशिष्ट आतिथ्य में स्काउट गाइड कार्यालय में संपन्न हुई। जिला सचिव एवं सी. ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि बैठक में लीडर ट्रेनर

एवं जिला कमिश्नर वयस्क संसाधन प्रहलाद राय जांगिड़ ने चालू सत्र के स्थानीय संघवार लक्ष्यों का निर्धारण सदन के सम्मुख रखा। लीडर ट्रेनर रामावतार सबलानिया ने नेशनल ग्रीन कोर योजना पर प्रकाश डाला, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अलसीसर एवं प्रभारी कमिश्नर (गाइड) सुनीता यादव ने आय व्यय प्रस्तुत किया। जिला प्रशिक्षण आयुक्त चिरंजी लाल शर्मा ने वर्ष भर का प्रस्तावित कार्यक्रम सदन के सम्मुख रखा जिसे अनुमोदित किया गया। सी.ओ. गाइड सुभिता महला ने स्काउट गाइड गतिविधियों पर प्रकाश डाला। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अलसीसर राजेंद्र खीचड़ ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर झुंझुनू जिले के सहभागिता पर प्रशंसा व्यक्त की गई। इस दौरान प्रधानाचार्य संजू नेहरा, ज्योति विद्यापीठ के निदेशक चिरंजी लाल सैनी, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुनीता यादव, प्रधानाचार्य जेके मोदी सुनीता कृष्णिया, डॉ. राजबाला ढाका एवं वित्त समिति सदस्य प्रधानाचार्य महावीर प्रसाद मीणा ने भी अपने विचार रखें। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चिड़ावा उमादत्त झाझडिया ने कहा कि स्काउट गाइड के माध्यम से बालक बालिकाओं में संस्कारों का बीजारोपण होता है। इस दौरान स्थानीय संघ के सचिवों ने आवश्यक सुझाव दिए तथा बैठक में अर्जुन सिंह, धर्मपाल सिंह, प्रवीण कुमार, जयचंद भड़िया, महेंद्र सिंह, महेश कुमार सैनी, मनोहर लाल रणवा, रामचंद्र मीणा, बंसीलाल, जितेंद्र कुमार, शिवप्रसाद वर्मा, सरिता, महेश पचार एसीबीईओ, विक्की कुमार, जयपाल सिंह, अनीता कटेवा आदि उपस्थित रहे। जिला कमिश्नर कब एवं अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा प्रमोद आबूसरिया ने सभी का आभार प्रकट किया। संचालन सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, श्रीगंगानगर के बीडीआईएस स्कूल के कब्स को जिला कलक्टर डॉक्टर मंजू ने 18 जुलाई को राष्ट्रीय मुख्यालय से प्राप्त गोल्डन एरो बैज से सम्मानित किया। जिला कलक्टर को जिले में आयोजित हो रही स्काउट गाइड गतिविधियों व कार्यक्रमों से अवगत

कराया। इस अवसर पर संस्था प्रधान, कब मास्टर, सी.ओ. स्काउट गाइड उपस्थित रहे।

जयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, जयपुर की सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) नीता शर्मा एवं सी.ओ. (स्काउट) शरद शर्मा द्वारा 17 जुलाई को जयपुर के लाल कोठी स्थित अपेक्स इंटरनेशनल स्कूल का विजिट किया गया। विज़िट के दौरान श्रीमती नीता शर्मा व श्री शरद शर्मा तथा विद्यालय की प्रधानाचार्य ने स्काउट गाइड को सम्मानित किया। श्रीमती शर्मा के निर्देशन में स्काउट गाइड का दीक्षा संस्कार कार्यक्रम हुआ तथा गुणात्मक प्रगति एवं स्काउट गाइड की विभिन्न गतिविधियों के बारे में स्काउट गाइड को मोटिवेट किया गया।

खुद करके सीखना तथा स्काउट गाइड कला और विभिन्न सोपानों के बारे में जानकारी दी गई। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। स्काउट गाइड्स ने कलर पार्टी के साथ में विद्यालय परिसर का अवलोकन करवाया। ईश प्रार्थना के साथ में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस दौरान स्काउट गाइड्स द्वारा विभिन्न आकर्षित कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। अंत में प्रधानाचार्य ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन स्काउट मास्टर शुभम चौधरी द्वारा किया गया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

❖ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, रामनिवास बाग, जयपुर की कार्यकारिणी सभा की बैठक 15 जुलाई 2025 को स्थानीय संघ परिसर में आयोजित की गई। बैठक में स्थानीय संघ के चैयरमेन श्री विष्णुदत्त गुप्ता, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर

(स्काउट) श्री गिरिराज पारीक, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर (गाइड) श्रीमती कौशलेंद्र मीणा, सचिव श्री जगदीश नारायण शर्मा, संयुक्त सचिव सुश्री अनीता सिंह, कोषाध्यक्ष मोहम्मद इरशाद खान सहित स्थानीय संघ के स्काउटर, गाइडर उपस्थित रहे। बैठक में सत्र 2024–25 की उपलब्धियों, आय व्यय, स्काउट गाइड की योग्यता वृद्धि, 19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी में सहभागिता आदि बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, दौसा के तत्वावधान में जिले के चयनित इको क्लब प्रभारियों की एक दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जल एवं सस्टेनेबिलिटी के लिए स्कूली बच्चों को उनके शिक्षकों के माध्यम से संवेदनशील बनाना है। इस कार्यशाला में जिले के नेशनल ग्रीन कोर योजना के अंतर्गत पंजीकृत विभिन्न स्कूलों से 31 शिक्षकों ने सहभागिता करते हुए जल, स्वच्छता, उपयोग, जल प्रबंधन,

जल संचयन आदि जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जानकारी प्राप्त की। इन सभी शिक्षकों को अपने विद्यालय में बच्चों के समूह बना कर प्रोजेक्ट तैयार करना होगा जो कि राष्ट्र स्तरीय अर्थियन पुरस्कार हेतु भेजी जाएगी। राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यालय को विप्रो के द्वारा अर्थियन पुरस्कार एवं प्रोत्साहन राशि दी जाती है। कार्यक्रम में सीईई कार्यक्रम संयोजक प्रियंका सिनसिनवार, एनजीसी एवं एनवायरमेंट स्टेट कॉर्डिनेटर कृष्णा सैनी, सीबीईओ सत्यनारायण मीना, सी.ओ. स्काउट प्रदीप सिंह, स्थानीय संघ सचिव श्रीकांत शर्मा, क्लाइमेट लीडर महेंद्र साहू ने कार्यशाला में पर्यावरण के बारे में विभिन्न विषयों के बारे में बताया। कार्यक्रम में अतिथियों का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर द्वारा 09 जुलाई को जिला यूथ कमेटी की ऑनलाइन वेबीनार आयोजित की गई। अध्यक्षता बसंत कुमार लाटा सी.ओ.स्काउट ने की, जिसमें नए सत्र में जो गतिविधियां होनी है, के बारे में बताया। साथ ही इंटरनेशनल कैंप में जो जाएगा उसे 50 प्रतिशत आर्थिक सहयोग भामाशाह द्वारा दिलवाने के बारे में भी बताया। यूथ कमेटी के सदस्यों को अच्छा कार्य करने पर जिला स्तर पर सम्मान किया जाएगा। जिला यूथ कमेटी के अध्यक्ष निक्की कुमार जांगिड़ ने सबका आभार व्यक्त किया। राम प्रसाद भास्कर जिला यूथ सचिव ने आने वाले नेशनल व इंटरनेशनल कैंपों की जानकारी दी ओर सतत विकास लक्ष्य व प्रोजेक्ट पर

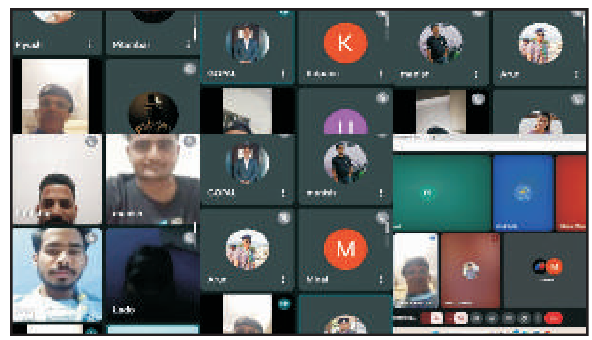

कार्य करने हेतु प्रेरित किया। सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा ने गत वर्ष अच्छा कार्य करने पर यूथ कमेटी के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। मीटिंग 24 सदस्यों ने जॉइन की। सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा, जिला यूथ कमेटी अध्यक्ष निक्की कुमार जांगिड़, जिला यूथ कमेटी सचिव राम प्रसाद भास्कर, यूथ कमेटी उपाध्यक्ष मीनल शर्मा, स्काउट मास्टर गोपाल राम, मनीष कुमावत और रोवर लीडर पीतांबर लौरा, नवीन भास्कर, रोवर रेंजर अरुण सबल, पिंटू, लखन, आरती, आंचल, गिरधारी लाल, प्रिया, कल्पना मीणा, लाडो कुमारी, उज्जवल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

❖ सीकर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खटून्दरा में भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, खंडेला के स्काउट्स ने हरियालो राजस्थान व पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के तहत इको क्लब सदस्यो ने 151 पौधे लगाकर उनकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया। स्थानीय संघ खंडेला के सचिव जगदीश बाजिया ने बताया कि वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रधानाचार्य मोहन लाल, प्रमोद कुमार बिजारणिया व्याख्याता, राजेंद्र बगड़िया शा. शिक्षक एवं स्कूल स्टॉफ ने भी सहयोग किया। विद्यालय में और पौधे लगाए जायेंगे। वृक्षारोपण कार्यक्रम में इको क्लब सदस्य

व स्काउट मनीष सैन, अमन सैन, आदित्य सैन, सुमित वर्मा, प्रतीक वर्मा, कार्तिक वर्मा, संजय वर्मा, कानाराम कुमावत, समीर शेख, हनीश शेख, निखिल कुमावत, प्रशांत वर्मा आदि ने श्रमदान किया एवं स्टाफ साथी ओमप्रकाश यादव, श्रीराम सामोता, संदीप अग्रवाल, हरलाल सेवदा, महेन्द्र सिंह बेनीवाल प्रधानाचार्य, सुरेश गुप्ता, कैलाश स्वामी ने योगदान किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, थोई (सीकर) व इको क्लब सदस्यों द्वारा पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के तहत

जलवायु परिवर्तन पर कार्यशाला आयोजित कराई गई। युवाओं मास्टर ट्रेनर राम प्रसाद भास्कर के नेतृत्व में प्रोजेक्ट पर कार्यशाला आयोजित की गई। सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा के निर्देशन में जिला यूथ कमेटी सचिव राम प्रसाद भास्कर (रोवर स्काउट लीडर) ने जलवायु परिवर्तन के बारे में बताया व पर्यावरण संरक्षण पर स्काउट गाइड व इको क्लब सदस्यों को कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रोजेक्ट की गतिविधि को स्थानीय संघ पर आयोजित किया गया और आने वाले नेशनल व इंटरनेशनल कैंपों की जानकारी दी। इस मौके पर सचिव सुवालाल कुमावत, सहायक सचिव घासीराम वर्मा, स्काउट मास्टर, रामकुमार यादव, गोपाल राम, गिरधारी, नरेंद्र, झाबर मल, रोवर लीडर नवीन कुमार भास्कर, रोवर सुंदरलाल व स्काउट गाइड मौजूद रहे।

जोधपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही पर नीम के पौधे लगा कर पौधारोपण किया गया और पौधों की संभाल के लिए ट्री गार्ड भी लगाए गए। सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने

बताया कि इस अवसर पर भबूता राम मेघवाल मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सिरोही, अजय कुमार माथुर शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक, घनश्याम सिंह एसीबीईओ रेवदर, श्रीमती रजनी प्रधानाचार्य एवं स्थानीय संघ के सचिव एवं स्काउटर गाइडर व रोवर रेंजर उपस्थित थे। श्री वर्मा ने बताया कि भारत स्काउट गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा आयोजित नेशनल ग्रीन कोर इको क्लब गतिविधि एवं एक पौधा माँ के नाम के तहत विद्यालयों में सधन पौधरोपण किया जाएगा।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही के तत्वावधान में ग्रामीण ओपन रोवर क्रू रामपूरा के परिसर में पौधारोपण किया गया। पौधारोपण के मुख्य अतिथि देवाराम सुथार सरपंच रामपुरा थे और अध्यक्षता सी.ओ. स्काउट एम. आर. वर्मा ने की और विशिष्ट अतिथि गणपतसिंह देवड़ा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी थे। इस अवसर पर सरपंच देवाराम सुथार ने कहा कि बरसात का मौसम आ गया है और इस समय अधिक से अधिक पौधे लगाकर और पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सकता है। सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने

कहा कि 'जहाँ है हरियाली वहाँ है खुशहाली' इसलिए पौधे लगाने के साथ ही उसकी देखभाल करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिले के विद्यालयों में संचालित नेशनल ग्रीन कोर इको क्लब की गतिविधि के तहत अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण करने के साथ ही जिले के कब बुलबुल स्काउट गाइड रोवर रेंजर को इसकी जिम्मेदारी दी जाएगी और पौधे व्यक्ति के जन्मदिन, शादी की सालगिरह और महापुरुषों की जयंती के अवसर पर भी लगाए जा सकते हैं। गणपतसिंह देवड़ा ने कहा कि पौधे लगाकर उसमें प्रतिदिन

पानी पिलाना और उनकी देखभाल करना जरूरी है। इस अवसर पर नीम के पौधे लगाए गए और पक्षियों के लिए परिंडे भी बाँधे गए। इस अवसर पर भी पूर्व राष्ट्रपति स्काउट जोगाराम सोलंकी, सचिव स्थानीय संघ कालदरी दिलीप कश्यप, सेवानिवृत्त स्काउटर भंवर सिंह दहिया, प्रेमा राम देवासी, लकमा राम देवासी, भेराराम मेघवाल, मुराद हुसैन, मोहित, कीर्ति पर्वत गोस्वामी, सूरज कलावंत, अर्जुन कुमार एवं रामपुरा के ग्रामवासी उपस्थित थे।

कोटा मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, बारां की जिला कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन कस्बे के एक निजी रिसोर्ट में 9 जुलाई को किया गया। बैठक में मुख्य वक्ता सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर रहे, वहीं अध्यक्षता मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गेंदा राम रैगर ने की। इस अवसर पर श्री माथुर ने कहा कि विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने

के लिए यह जरूरी है की टीम भावना से काम किया जाए। जिला आयुक्त कब एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बारां अमृत सिंह ने जिले में मौजूद स्काउट गाइड के प्रशिक्षण केंद्रों के भौतिक विकास को लेकर आवश्यक सुझाव दिए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गेंदाराम रेगर ने कहा कि गत सत्र में जिले की उपलब्धियां प्रशंसनीय रही हैं। इस उपलब्धि के लिए बैठक में मौजूद कार्यकारिणी सदस्यों एवं जिले के स्थानीय संघों के सचिव को बधाई दी। सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा एवं सी.ओ. गाइड सुनीता मीणा ने संयुक्त रूप से बताया कि जिला कार्यकारिणी की बैठक में चालू वर्ष के दौरान किए जाने वाले सभी गतिविधियों एवं कार्यक्रमों को की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए उसका अनुमोदन किया गया। जिला प्रशिक्षण आयुक्त राजेंद्र कुमार शर्मा ने गत वर्ष का प्रतिवेदन सदन के समक्ष रखा। जिला आयुक्त वयस्क संसाधन अमजदी युसूफी ने अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए चालू वित्तीय वर्ष के वार्षिक बजट को अनुमोदन के लिए सदन के समक्ष पेश किया। जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड आराधना सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगान के साथ बैठक का समापन हुआ।

बैठक में सचिव छीपाबड़ौद इंद्रकुमार शर्मा, बृज गोविंद टेलर किशनगंज, पवन मेहरा अंता, भेरूंलाल वर्मा बारां, सहित जिला वित्त समिति के सदस्य शकील खान, तपेंद्र सिंह नाथावत, कपिल देव, महेश सेन, युवा प्रतिनिधि कमलेश मीणा, लक्ष्य गोयल, स्काउटर प्रतिनिधि दिनेश नागर, गिरिराज प्रसाद शर्मा, सुनील मेहता, जुगल किशोर शर्मा, भूपेंद्र शिवहरे, शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि जगदीश कुशवाहा, कोषाध्यक्ष राजकुमार मेहता सहित कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे।

उदयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, प्रतापगढ़ के तत्वावधान में आयोजित स्काउट गाइड ग्रुप वार्षिक शिविर का समापन 1 जुलाई 2025 को किया गया। सी.ओ. रेखा शर्मा ने बताया कि शिविर में छठे दिवस पर संम्भागियो को गोतमेश्वर महादेव अरनोद मे प्रकृति अध्ययन और ट्रेकिंग करवाई गई, जिसमें सम्भागियों ने लव कुश वाटिका व जिप लाईन का आनन्द लिया तथा गोतमेश्वर महादेव के दर्शन किए। उसके बाद सम्भागियों ने भोजन कर शिविर स्थल प्रतापगढ की ओर

प्रस्थान किया व स्काउट गाइड गतिविधियां खेल व रात्रिकालिन शिविर ज्वाल कार्यक्रम में प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर रेंजर लीडर पुर्णिमा राजपुत, गाइडर नवदीप राव व स्काउटर अधिराज सिह देवल, स्काउटर अजित सिंह चुण्डावत, स्काउटर भीमराज मीणा, स्काउटर मनिश कुमार पाटीदार, स्काउटर बादल बारोलिया, स्काउटर गर्वित द्विवेदी, स्काउटर कैलाश मालवीय ने प्रशिक्षण दिया व रोवर अजय मेघवाल, लोकेश खटीक, गौरव रैदास, आयुष सुथार, अंकित मेघवाल, भुपेन्द्र सिंह, रेंजर भुवनेश्वरी, आंचल सुथार ने अपनी सेवाएं दी।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, प्रतापगढ द्वारा जिला कार्यकरिणी बैठक 15 जुलाई को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रतापगढ पर सम्पन्न हुई। अध्यक्षता मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कमलेश कुमार ने की। बैठक की शुरूआत प्रार्थना और परिचय से हुई। श्री कमलेश कुमार ने बताया कि जिले के सभी विद्यालयो में स्काउट गाइड गतिविधियां संचालित की जाये। सी.ओ गाइड रेखा शर्मा ने बताया कि बैठक में उप प्रधान उत्सव जैन, नवीन भेरविया, लोकेन्द्र सिंह सिसोदिया, जिला कमिश्नर बुलबुल निधी बोबडा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रतापगढ रामप्रसाद चर्मकार, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुहागपुरा विक्रम कोठारी,

अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रतापगढ ज्योति बाला सोमानी, सहायक आचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ जीवाराम देवासी, प्रधानाचार्य स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कुल अरनोद धमेन्द्र विरवाल, रा.उ.मा.वि झासडी नरेन्द्र सिह सिसोदिया, जिला कमिश्नर गाइड सुमन देवल, ए.डी.सी.

प्रतापगढ दीपक पंचोली, स्थानीय संघ सचिव प्रतापगढ कारूलाल कीर, स्थानीय संघ सचिव छोटीसादडी सुरेश गोठवाल, स्थानीय संघ सचिव अरनोद रमेश चन्द्र मीणा, स्थानीय संघ सचिव धरियावद लक्ष्मण लाल मीणा, व्याख्याता रा.उ.मा.वि अमलावद भुपेन्द्र तिवारी, स्काउट प्रतिनिधि मानसिह देवडा, अधिराज सिंह देवल, जिला युवा समिति अध्यक्ष गर्वित द्विवेदी, जिला युवा समिति उपाध्यक्ष पुर्णिमा राजपुत, स्काउटर मनीष कुमार पाटीदार, स्काउटर अजित सिह चुण्डावत, जिला क्वार्टर मास्टर कैलाश मालवीय व रोवर आयुष सुथार, अंकित मेघवाल, लोकेश खटीक उपस्थित रहे। सी.ओ रेखा शर्मा ने बताया कि जिले की बैठक में वार्षिक अधिवेशन आयोजित करने एवं जिले में स्काउट गाइड गतिविधियां संचालित करने हेतु चर्चा की गई।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में सेवापूर्व शिक्षिकाओं के लिए सात दिवसीय गाइड ग्रुप प्रशिक्षण शिविर का आयोजन स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र बेडेन पॉवेल पार्क, किला रोड़ चित्तौड़गढ़ पर आयोजित किया गया। शिविर में आर.एन.टी कॉलेज कपासन, चित्तौड़गढ़ एवं डाइट के कुल 128 छात्रा अध्यापिका गाइड ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। सी.ओ. स्काउट चन्द्र शंकर श्रीवास्तव ने बताया कि शिविर के छठवें दिन ध्वजारोहण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड चन्देरिया सी.एस.आर. हैड सुन्दर राज नायडू ने ध्वजारोहण कर सलामी ली। उनके साथ सी.एस.आर. कॉर्डिनेटर कैलाश प्रजापत उपस्थित थे। इससे पूर्व मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महावीर कुमार शर्मा ने शिविर का अवलोकन कर संभागियों को ध्यान व योग का प्रशिक्षण देकर संभागियों की शंकाओं का समाधान किया। इससे पूर्व हिन्दुस्तान जिंक के माध्यम से प्रियंका, तन्वी, सीताराम एवं टीम ने संभागियों को तीसरे दिन गुड टच व बैड टच, चौथ दिन सेल्फ डिफेंस एवं पॉचवें दिन रोड सेफ्टी का प्रशिक्षण दिया गया, जिसकी सभी ने भूरी–भूरी प्रशंषा की। शिविर के अन्तर्गत संभागियों को प्रशिक्षक दल द्वारा स्काउट गाइड आन्दोलन की जानकारी, बी.पी. की जीवनी, आन्दोलन के सिद्धान्त, नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झण्डागीत, राष्ट्रगान, प्रभाती गीत, शिविर ज्वाल गीत, शयनगीत, सीटी व हाथ के संकेत, आदर्श वाक्य, चिन्ह, सैल्यूट, बॉया हाथ मिलाना, यूनिफार्म, विभिन्न प्रकार के ध्वजों की जानकारी व ध्वज शिष्टाचार, खोज के चिन्ह व कम्पास, प्राथमिक सहायता, अनुमान लगाना, गॉठे व लेसिंग, आपदा प्रबन्धन, दक्षता बैज पाठ्यक्रम व लॉग बुक, प्राथमिक चिकित्सा, स्काउट गाइड के विभिन्न विभाग आदि की जानकारी प्रदान की गई। शिविर में प्रशिक्षक के रूप में चतर सिंह राजपूत, सत्य नारायण सोमानी, अखिलेश श्रीवास्तव, सुनीता अग्रवाल, सात्विका शर्मा, कोहिनूर बानू, शालिनी कुलश्रेष्ठ, सोहन लाल मेघवाल, प्रेम प्रकाश मीणा, पवन माली आदि ने प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर सर्विस रोवर विरेन्द्र सिंह, सांवरिया लाल गुर्जर, निर्मल सिंह तंवर, भगत भूल, रेंजर शानू मीणा, कल्पना मीणा, कविता भील, सुमन खटीक ने अपनी सेवाएं दी।

❖ राजसमन्द जिला मुख्यालय के समीप स्थित महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोही के स्काउट गाइड ने एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में एक पेड़ माँ के नाम लगाकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दिया। स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र अनोखा ने बताया कि 17 जुलाई को महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोही के स्काउट गाइड ने एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के तहत स्काउट गाइड आन्दोलन से सम्बन्धित प्रथम सोपान एवं द्वितीय सोपान की जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण शिविर की अध्यक्षता प्रधानाचार्य कीमा कुमारी ने की, विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ स्काउटर रोशन लाल रेगर, कोषाध्यक्ष स्थानीय संघ राजसमन्द थे।

सर्वप्रथम वरिष्ठ शारीरिक शिक्षिका शारदा खटीक ने अतिथि देवो भवः की परम्परा का निर्वहन करते हुए प्रधानाचार्य एवं वरिष्ठ स्काउटर को संगठन का स्कार्फ एवं प्रसादी ईकलाई पहनाकर स्वागत किया। अनोखा ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर के अन्तर्गत संभागी स्काउट गाइड ने अतिथियों के साथ मिलकर राज्य सरकार एवं शिक्षा विभाग के द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण कार्यक्रम ''एक पेड माँ के नाम'' के अन्तर्गत स्काउट प्रिंस प्रजापत, शिवम लखारा, उमेश प्रजापत, मन्थन जोशी, बद्री रेगर, पुनित सालवी, सुमित तैली, कनिष्क सोनी, आर्यन रांका व गाइड गायत्री प्रजापत, सिद्धि जैन, साक्षी जोशी, गुंजन तेली, सोनाक्षी लोहार, खुशी लोहार, व दिव्या रावत ने पारस, पीपल, एवं शहतूत का पौधा लगाकर इस अभियान में अपनी आहुति दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या कीमा कुमारी ने बताया कि इस शिविर में स्काउट गाइड को दिक्षा समारोह से लेकर राज्यपाल पुरस्कार की गतिविधियों के बारे में विस्तार से समझाया गया। प्रशिक्षण शिविर में संचालक दल में स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर अनोखा एवं स्थानीय संघ के वरिष्ठ स्काउटर रोशन लाल रेगर ने स्काउट आन्दोलन की जानकारी प्रदान की। विद्यालय के शिक्षक वेदप्रकाश ने बताया कि इस अवसर पर मीना पारीख, ललिता भट्ट, तपस्या शर्मा, पवन राय, लीलाधर, प्रकाश, नर्बदा तेली, मोहिनी पुर्बिया, नरेन्द्र जोशी, उमा शर्मा, रिंकू, केसुलाल रेगर, नीरज शुक्ला, प्रज्ञा पालीवाल आदि उपस्थित थे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द पर स्थानीय संघ राजसमन्द का बिगनर्स कोर्स सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र अनोखा ने बताया कि बिगनर्स कोर्स सी.ओ. स्काउट राजसमन्द सुनील सोनी की अध्यक्षता में व पूर्व संयुक्त सचिव राधेश्याम राणा के विशिष्ट आतिथ्य में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम संभागियों के द्वारा प्रार्थना सभा एवं स्व परिचय रस्म के साथ प्रारंभ हुआ। एक दिवसीय बिगनर्स कोर्स में कोर्स संचालन स्काउटिंग गाइडिंग की कहानी व स्काउटिंग गाइडिंग क्या है, के बारे में स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र अनोखा ने विस्तार से जानकारी प्रदान की। संस्था के विभिन्न अनुभाग प्रतिज्ञा एवं नियम व स्काउट गाइड की युनिफार्म के बारे में स्थानीय संघ के कोषाध्यक्ष रोशन लाल रेगर ने बारीकी से संभागियों को समझाया। आदर्श वाक्य, चिन्ह, सेल्युट, व बायां हाथ मिलाना राहुल बर्रा, शारीरिक शिक्षक व स्काउटर राउमावि मुण्डोल ने एवं संगठनात्मक संरचना, यूनिट कैसे शुरू करें और पंजीकृत कैसे करें तथा यूनिट मिटिंग कैसे करें व यूनिट लीडर की उन्नति के बारे में सी.ओ. स्काउट ने अपने अनुभव के साथ अपनी वार्ता के माध्यम से समझाया। सुनील सोनी ने बताया कि स्थानीय संघ राजसमन्द के बिगनर्स कोर्स में बामनटुकडा, मोही, पडासली, पिपलांत्री कला, फियावडी, राज्यावास, पुठोल, धोइन्दा, साकरोदा, केलवा, देवपुरा, आदि ग्राम पंचायत के नवीन स्काउटर व गाइडर ने प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम का संचालन स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र अनोखा ने किया, प्रशिक्षण के पश्चात समस्त संभागियों को खुले मंच के माध्यम से अपनी जिज्ञासानुसार प्रश्न करने का अवसर दिया गया। मंचासीन संचालक दल ने प्रत्येक प्रश्न का संतोषप्रद जवाब देकर स्काउट गाइड आन्दोलन को प्रगति के पथ पर ले जाने हेतु समस्त प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी के अन्तर्गत आने वाले समस्त विद्यालयों के स्काउट व गाइड को मानसिक रूप से तैयार किया। आभार व्यक्त रोशन लाल रेगर ने किया व शिविर समापन के पश्चात् एक पेड माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान के तहत जिला मुख्यालय पर स्काउटर गाइडर व रोवर रेन्जर ने पौधारोपण भी किया। अंत मे राष्ट्रगान के साथ बिगनर्स कोर्स का समापन हुआ।

❖ द विजन एकेडमी स्कूल ए यूनिट ऑफ आरएमवी उदयपुर द्वारा 11 जुलाई 2025 को विश्व जनसंख्या दिवस पर जन चेतना साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली में स्काउट गाइड, स्कूल के छात्र–छात्राओं द्वारा एक विशाल साइकिल रैली निकाली गई। विद्यालय की प्राचार्या डॉ प्रतिमा सामर, वाइस प्रिंसिपल मानसी टिक्कू ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया। रैली सूरज पोल होते हुए अमल के कांटे एरिया से गुजरी और राजस्थान महिला विद्यालय के तरफ से होकर पुनः अपने विद्यालय पहुंची। विश्व जनसंख्या नियंत्रण एवं जन अभियान से ज्यादा लाभ मिल सके का जन संदेश दिया। स्काउट मास्टर उमेश चंद्र पुरोहित, गाइड लीडर शिप्रा चतुर्वेदी ने रैली का संचालन किया। समस्त स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा। अंकिता पारीख ने रैली का नियंत्रण किया, जिसमें कोऑर्डिनेटर स्वाति कुमावत, बिंदु सालवी, कविता भादावत, ललिता लोधावत, मानवेंद्र सर, कृतिका भटनागर, कनुप्रिय शर्मा, शिवानी मेम उपस्थित रहे।

❖ द विजन एकेडमी स्कूल ए यूनिट ऑफ आरएमवी उदयपुर के स्काउट गाइड, स्कूल के छात्र–छात्राओं द्वारा 'सेव एनर्जी' के लिए एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ प्रतिमा सामर ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया। रैली सूरज पोल होते हुए अमल के कांटे एरिया

से गुजरी और राजस्थान महिला विद्यालय के तरफ से होकर पुनः अपने विद्यालय पहुंची। विद्युत का सही उपयोग करें ये जन संदेश दिया। स्काउट मास्टर उमेश चंद्र पुरोहित, गाइड लीडर शिप्रा चतुर्वेदी ने रैली का संचालन किया। समस्त स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा। जिनका संचालन कोऑर्डिनेटर स्वाति कुमावत, बिंदु सालवी, कविता भादावत, ललिता लोधावत, मानवेंद्र सर उपस्थित रहे।

❖ द विजन एकेडमी स्कूल, उदयपुर ने 16 जुलाई को स्काउट गाइड गतिविधि में 'रोड सेफ्टी सेमिनार' का आयोजन किया, जिसमें स्कूल के छात्र छात्राओं व स्काउट गाइड के बच्चों ने भाग लिया। रोड सेफ्टी के नियम व सुरक्षा के बारे में जानकारी होंडा कंपनी से आए सुनंदा कुमारी व कपिल साहू एवं नदीम

टीम ने दी। प्रश्नोत्तरी के द्वारा सही उत्तर देने वाले छात्रों को पुरस्कार भी दिया गया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ प्रतिमा सामर ने अतिथि का उपरणा ओढाकर स्वागत किया। सभी बच्चों ने यातायात के नियमों के पालन करने की प्रतिज्ञा भी ली। विद्यालय की प्राचार्या ने बताया कि कैसे कुछ नियमों की पालना करके हम अपने जीवन को सुरक्षित रख सकते हैं। शिप्रा चतुर्वेदी गाइडर, स्काउट मास्टर उमेश चंद्र पूरोहित व अंकिता पारीख ने कार्यक्रम की व्यवस्था की।

CELEBRATIONS DAYS : AUGUST-SEPTEMBER 2025

09 August	:	Indian Revolution Day
12 August	:	International Youth Day
13 August	:	Organ Donation Day
15 August	:	Independence Day
19 August	:	World Humanitarian Day
20 August	:	Sadbhavana Day
21 August	:	International Senior Citizen Day
26 August	:	Women's Equality Day
29 August	:	National Sports Day
05 September	:	Teacher's Day
08 September	:	International Literacy Day
14 September	:	Hindi Day
16 September	:	World Wzone Day
21 September	:	World Peace Day
27 September	:	World Tourism Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड द्वारा वर्ष 1974 से लगातार प्रतिवर्ष ग्रीष्मावकाश के सदुपयोग व छात्र छात्राओं को स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से कौशल विकास प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ये शिविर विद्यालयों के ग्रीष्मावकाश के दौरान संचालित किए जाते हैं, जिनमें विभिन्न रोजगारोन्मुखी विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 17 मई से 22 जून तक सम्पूर्ण प्रदेश में मण्डल, जला, स्थानीय संघ व ग्रुप स्तर पर कुल 133 कौशल विकास प्रशिक्षण शिविरों का संचालन किया गया। इन शिविरों में 16213 संभागियों ने भाग लेकर कम्प्यूटर, सिलाई, कढ़ाई, वाद्ययंत्र, इंटीरियर डेकोरेशन, हाऊस कीपिंग, सॉफ्ट टॉयज, पेंटिंग, डांस, इंग्लिश स्पीकिंग, तैराकी, मेहन्दी, ब्यूटीशियन, जूड़ो कराटे, कुकिंग, संगीत, बिजली का कार्य, केन वर्क, साज सज्जा, जरी वर्क, बंधेज, लघु उद्योग, इलेक्ट्रोनिक्स आदि विषयों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रदेश में आयोजित उक्त शिविरों का वर्णन निम्नानुसार है—

क्र.सं.	जिला	शिविर स्तर	कौशल विकास प्रशि.केन्द्र का नाम	संचालक का नाम	संभागी संख्या
अजमेर मण्डल–					
1	अजमेर	जिला स्तर	रा.बा.उ.मा.वि. आदर्श नगर, अजमेर	श्री नरेन्द्र कुमार खोरवाल	55
2		स्थानीय संघ	म.गा.रा.वि. नया शहर, किशनगढ़	श्री विरेन्द्र शर्मा	62
3	भीलवाड़ा	जिला स्तर	पी.एम.श्री रा.बा.उ.मा.वि.बापूनगर, भीलवाड़ा	श्री विनोद कुमार घारू	172
4		स्थानीय संघ	केशव सी.सै. स्कूल, शाहपुरा, भीलवाड़ा	श्रीमती उर्मिला पाराशर	105
5		ग्रुप स्तर	कृष्णा पब्लिक स्कूल, बदनोर (आसीन्द), भीलवाड़ा	श्री गोविन्द सिंह वर्मा	75
6	नागौर	जिला स्तर	रा.बा.उ.मा.वि. गिनानी	श्रीमती ज्योति महत्मा	125
7		स्थानीय संघ	श्री वागिश्वरी विधा मन्दिर, मारवाड मुण्डवा, नागौर	श्री गजेन्द्र गेपाला	165
8		स्थानीय संघ	श्री सुभाष बोस सी.स्कूल, गौरव पथ, लाडनू, नागौर	श्री गोकुलचन्द	155
9		ग्रुप स्तर	स्थानीय बालचर भवन, कुचामन सिटी, नागौर	श्री रामेश्वर राम	91
10	टोंक	जिला स्तर	विवेक विधा निकेतन रा.उ.मा.वि. टोंक	श्रीमती आंचू मीणा	125
11		स्थानीय संघ	पी.एम.श्री. रा.उ.मा.वि. देवली (ऑडिटोरियम), टोंक	श्री द्वारका प्रसाद प्रजापत	95
12		ग्रुप स्तर	रा.बा.उ.मा.वि. लाम्बा हरिसिंह	श्रीमती वीणा जाटोलिया	48
13		ग्रुप स्तर	रा.उ.मा.वि. चांदली, टोंक	श्री भंवरलाल वैष्णव	72
14		ग्रुप स्तर	रा.उ.मा.वि. दूनी, टोंक	श्री अशोक कुमार वर्मा	90
अजमेर मण्डल : जिला स्तरीय-4, स्थानीय संघ स्तर-5, ग्रुप स्तर-5, कुल-14				**कुल संभागी**	**1435**
भरतपुर मण्डल–					
15	भरतपुर	मण्डल स्तर	महा.गा.रा.वि. सिविल लाइन गोपालगढ, भरतपुर	श्री देवेन्द्र कुमार मीना	144
16		जिला स्तर	श्री अग्रसेन महिला विद्यापीठ रनजीत नगर भरतपुर	श्री भानु प्रताप सिह	130
17		स्थानीय संघ	बाबु राम वेदांता सी.सै. स्कूल नई मण्डी भरतपुर	श्री राकेश गर्ग	67
18	करौली	जिला स्तर	रा.बापू.उ.प्रा.वि. करौली	श्री अनिल कुमार गुप्ता	183
19		स्थानीय संघ	मोंटेसरी इंग्लिश मी.किड्स पब्लिक स्कूल करौली	श्रीमती सपना	165
20		स्थानीय संघ	महा.गा.रा.वि. श्रीमहावीर जी	श्री किशन दास	98
21		ग्रुप स्तर	रा.उ.प्रा.वि. नम्बर 06 करौली	श्री मुकेश कुमार सारस्वत	128
22		ग्रामीण स्तर	डी.एस. पब्लिक स्कूल करौली	श्री गणेश चन्द शर्मा	64
23	सवाईमाधोपुर	जिला स्तर	स्काउट वन मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र, सवाई माधोपुर	श्रीमती दिव्या	152
24		स्थानीय संघ	रा.उ.प्रा.वि. नई कॉलोनी बहतेड मलराना डूँगर	श्री हारून अहमद	45
25		ग्रुप स्तर	लिटिल लावर मलारना डूंगर स्कूल सवाई माधोपुर	श्री महेश शर्मा	25
26	धौलपुर	जिला स्तर	रा.बा.उ.मा.वि. धौलपुर	श्रीमती सीमा रिजवी	55
27		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. मनिया	श्री ओम प्रकाश लोधा	182
28		ग्रुप स्तर	रा.उ.मा.वि. पुरैनी	श्री मनोज शर्मा	51
भरतपुर मण्डल : मण्डल स्तरीय-1, जिला स्तरीय-4, स्थानीय संघ स्तर-5, ग्रुप स्तर-4, कुल-14; कुल संभागी					**1489**
बीकानेर मण्डल–					
29	बीकानेर	जिला स्तर			171
30		स्थानीय संघ			201
31		ग्रुप स्तर			112

32	श्रीगंगानगर	जिला स्तर	रा.प्रा.वि. न.08 इन्द्रा कॉलोनी, श्रीगंगानगर	श्रीमती मोनिका यादव	193
33		स्थानीय संघ	रा.बा.उ.मा.वि. पदमपुर	श्री भागीरथ तंवर	189
34		ग्रुप स्तर	संजीवनी कॉन्वेट स्कूल सादुलशहर	श्री गुरादित्ता सिंह	123
35	झुंझुनू	जिला स्तर	श्री जी.बी.मोदी पब्लिक स्कूल, झुंझूनू	श्री महेश कालावत	218
36		स्थानीय संघ	मोर राजकीय बा.उ.मा.वि. नवलगढ़	श्री अर्जुन सिंह सांखणिया	104
37		स्थानीय संघ	यूनिक चिल्ड्रन एकेडमी, गोठडा, खेतडी	श्री जितेन्द्र कुमार	155
38		ग्रुप स्तर	ज्योति विद्यापीठ सी.सै. स्कूल, बगड़	श्री बंशीलाल	110
39	चूरू	जिला स्तर	मैरीगोल्ड वर्ल्ड सी.सै. स्कूल, चूरू	श्री महिपाल सिंह तंवर	97
40		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि., अम्बेडकर मौहल्ला, सरदारशहर	श्री बाबूलाल स्वामी	137
41		ग्रुप स्तर	श्रीगणेश बाल नि.संस्थान, राजलदेसर (रतनगढ़)	श्री ओम प्रकाश मेघवाल	92
42		ग्रुप स्तर	रा. नारायणी देवी बा.उ.मा.वि., ददरेखा (राजगढ़)	श्री नरेश कुमार राय	127
43	हनुमानगढ़	जिला स्तर	सरस्वती कन्या उ.मा.वि. हनुमानगढ़ जंक्शन	श्री भारत भूषण	288
44		ग्रुप स्तर	स्था.संघ प्रशिक्षण केन्द्र 365 आरडी हैड संगरिया	श्री दलीप चन्द	56
45		स्थानीय संघ	रा.बा.उ.मा.वि. हनुमानगढ़ टाउन	श्रीमती उषा बब्बर	75
बीकानेर मण्डल : जिला स्तरीय-5, स्थानीय संघ स्तर-6, ग्रुप स्तर-6, कुल-17				**कुल संभागी**	**2448**

जयपुर मण्डल–

46	जयपुर	मण्डल स्तर	मण्डल मुख्यालय बनीपार्क जयपुर	श्रीमती ॠतु शर्मा	257
47		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. खोरा बीसल, जालसू	श्री कमलेश कुमावत	70
48		ग्रुप स्तर	रा.उ.मा.वि. टाडावास, जालसू	श्री रघुनन्दन शर्मा	70
49		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. आकेड़ा डुंगर, आमेर	श्री अशोक कुमार यादव	118
50		स्थानीय संघ	सरदार रा.उ.मा.वि. कोटपूतली	श्री हंसराज यादव	170
51		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. मूरलीपूरा स्कीम, झोटवाड़ा	श्री पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़	117
52		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. फागी	श्री रामफूल मीणा	244
53		स्थानीय संघ	एमजीजीएस बेनाड़	श्रीमती सुरेन्द्र	70
54		स्थानीय संघ	स्थानीय संघ चौमू	श्रीमती विजय लक्ष्मी	118
55	दौसा	जिला स्तर	एमजीजीएस दौसा खुर्द	श्री रामावतार शर्मा	95
56		जिला स्तर	रा.बा.उ.मा.वि. रामकुण्ड	श्री प्रदीप सिंह	156
57		स्थानीय संघ	लिटिल चौइस पब्लिक स्कूल	श्री ओमप्रकाश शर्मा	139
58		ग्रुप स्तर	रा.उ.प्रा.वि. झेरा	श्री बनवारी लाल शर्मा	65
59		स्थानीय संघ	रा.बा.उ.मा.वि. बांदीकुई	श्री गोर्वधन लाल गुप्ता	79
60		ग्रुप स्तर	गायत्री आदर्श विद्या मंदिर उ.मा.वि. बसवा	श्री मुकेश कुमार शर्मा	60
61		स्थानीय संघ	रा.बा.उ.मा.वि. महवा	श्री हरेन्द्र सिंह राजपूत	75
62		स्थानीय संघ	रा.बा.उ.मा.वि. लालसोट	श्री महेन्द्र कुमार साहू	128
63		ग्रुप स्तर	एमजीजीएस रामगढ़ पचवारा	श्री विकास गौतम	48
64	अलवर	जिला स्तर	मित्तल उ.मा.वि.बिच्छू गली, बजाजा बाजार, अलवर	श्री राजेन्द्र प्रसाद मीणा एवं श्रीमती विजय लक्ष्मी	148
65		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि.गोला कुआ कठूमर	श्री ओम प्रकाश गुप्ता	79
66		स्थानीय संघ	महात्मा गॉधी रा.वि.बुधविहार, अलवर	श्री अनुप सिंह	124
67	सीकर	जिला स्तर	पी.एम. श्री राधाकृष्ण मारू रा.बा.उ.मा.वि. सीकर	श्री बसंत कुमार लाटा	187
68		स्थानीय संघ	शहीद जे.पी. यादव रा.उ.मा.वि. नीम का थाना	श्री दिलीप कुमार तिवाड़ी	199
69		स्थानीय संघ	सावित्री रा.बा.उ.मा.वि. लक्ष्मणगढ़	श्री महावीर प्रसाद पूनिया	114
70		स्थानीय संघ	पी.एम. श्री रा.उ.मा.वि. रींगस	श्री विष्णु कुमार जोशी	169
71		ग्रुप स्तर	श्रीमती चन्दादेवी मोदी रा.उ.मा.वि.अग्रेजी मा. गुहाला	श्री बसन्ती लाल सैनी	170
72		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. अजीतगढ़	श्री महावीर प्रसाद पूनिया	74
73		स्थानीय संघ	पी.एम. श्री रा.उ.मा.वि. खण्डेला	श्री जगदीश प्रसाद बाजिया	160
74		स्थानीय संघ	जमुना देवी रा.बा.उ.मा.वि. पाटन	श्रीमती निर्मलादेवी	72
जयपुर मण्डल : मण्डल स्तर-1, जिला स्तरीय-4, स्थानीय संघ स्तर-19, ग्रुप स्तर-5, कुल-29; कुल संभागी					**3575**

जोधपुर मण्डल–

75	बाड़मेर	जिला स्तर	गेलेक्सी पब्लिक सी.से. स्कूल, तिलक नगर	श्री गोपाल गर्ग, श्री अमृता राम पूनिया, श्रीमती ममता चौधरी एवं श्री महेश चौधरी	118

76		स्थानीय संघ	रा.बा.उ.मा.वि. बायतु	श्री राय सिंह (प्रधानाचार्य)	102
77	पाली	जिला स्तर	महामना मालवीय उ.मा.वि. पाली	श्री रमेश कुमार	178
78		जिला स्तर	सुदर्शन बाल मंदिर उ.मा.वि. राजेन्द्र नगर पाली	श्री प्रदीप कुमार	139
79		स्थानीय संघ	कात्यायनी उ.मा.वि. नया गाँव पाली	श्री दीपक जावा	101
80		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. जोड़किया देवली आऊ	श्री मीठा लाल	225
81	जैसलमेर	जिला स्तर	गॉधी बाल निकेतन स्कूल	श्रीमती कृतिका पाराशर	238
82		स्थानीय संघ	सरस्वती शिक्षण संस्थान नाचना	श्री ओम भारती	88
83		ग्रुप स्तर	महा. गॉधी रा.वि. मेघवालों की सम	श्री नन्द लाल	57
84	जालौर	जिला स्तर	रा.उ.मा.वि. शहरी जालौर	श्री सवाई सिंह	54
85	सिरोही	जिला स्तर	रा.उ.मा.वि. विशिष्ट पूर्व बाल मंदिर सिरोही	श्री एम.आर. वर्मा	126
86		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. कॉटल	श्री मूल सिंह भाटी	82
87	जोधपुर	जिला स्तर	रा.उ.मा.वि. लाल मैदान महामन्दिर	श्री अविचल पारीक	228
88		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. मालियों का बास फलोदी	श्री रतन सिंह चौहान	125
89		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. चांदेलाव बिलाडा	श्री ओम सिंह भाटी	95

जोधपुर मण्डल : जिला स्तरीय-7, स्थानीय संघ स्तर-7, ग्रुप स्तर-1, कुल- 15 कुल संभागी 1956

कोटा मण्डल-

90	कोटा	जिला स्तर	महात्मा गा.राज.वि. बोरखेडा	श्रीमती प्रीति कुमारी	135
91		जिला स्तर	अनन्तपुरा ऐकेडमी पब्लिक स्कूल, अनन्तपुरा, कोटा	श्री बृज सुन्दर मीना	116
92		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. सेक्टर 06 केशवपुरा, कोटा	श्री प्रकाश जायसवाल	85
93		स्थानीय संघ	रा.बा.उ.मा.वि. रगबाडी, कोटा	श्री अनंत गंगवाल	75
94		ग्रुप स्तर	महात्मा गा.राज.वि. रोजडी, कोटा	श्री मुकेश कुमार जागिड़	196
95	बांरा	जिला स्तर	जिला मुख्यालय बांरा	श्रीमती सुनीता मीना	131
96		स्थानीय संघ	महात्मा गां.राज.वि. पुराना अस्पताल चौक बांरा	श्री भैरूलाल वर्मा	213
97		ग्रुप स्तर	न्यू ऐलन ऐकेडमी, आदर्श नगर कोटा रोड, बांरा	श्री महेश सेन	128
98	बूंदी	जिला स्तर	महात्मा गां.राज.वि. देवपुरा, बून्दी	श्री सुरेन्द्र कुमार मेहरडा	85
99		स्थानीय संघ	जिला मुख्यालय, बून्दी	श्रीमती मधु कुमारी	76
100		जिला स्तर	रा.उ.मा.वि. पाटन	श्री चन्दप्रकाश	74
101		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. तालेडा	श्री मुकेश गुर्जर	70
102	झालावाड़	जिला स्तर	जिला मुख्यालय झालावाड़	श्री रामकृष्ण शर्मा	183
103		जिला स्तर	रा.उ.मा.वि. भवानी मण्डी	श्री राजू लाल गुर्जर	205
104		ग्रुप स्तर	रा.उ.मा.वि. कचहरी चौक	श्री सुवालाल जाट	62
105		स्थानीय संघ	पी.एम. श्री महा.गा.रा.वि. मेन मार्केट अकलेरा	श्री चॉदमल यादव	150
106		ग्रुप स्तर	महा गा.रा.वि. डग	श्री कैलाश नाथ योगी	62
107		ग्रुप स्तर	रा.बा.उ.मा.वि. खानपुर	श्री हंसराज पांचाल	85
108		ग्रुप स्तर	रा.बा.उ.मा.वि. बकानी	श्री हंसराज पांचाल	87

कोटा मण्डल : जिला स्तरीय-7, स्थानीय संघ स्तर-6, ग्रुप स्तर-6, कुल- 19 कुल संभागी 2218

उदयपुर मण्डल-

109	उदयपुर	जिला स्तर	श्री दिगम्बर जैन उ.मा.वि. खेरादीवाड़ा	श्री देवी लाल रावत	127
110	राजसमंद	जिला स्तर	रा.उ.मा.वि. एमडी	श्री धर्मेन्द्र कुमार गुर्जर	165
111		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. भाटोली	श्रीमती मधुलता व्यास	75
112		स्थानीय संघ	एस वी एम स्मरेल मगरा	श्री प्रेमसिंह राजावत	162
113	चितौडगढ़	जिला स्तर	मगांरावि चितौडगढ़	श्री चन्द्र शंकर श्रीवास्तव	105
114		स्थानीय संघ	रा.बा.उ.मा.वि. पाडनपोल	श्री पंकज दशोरा	85
115		स्थानीय संघ	मगांरावि रावतभाटा	श्री विद्याधर दशोदा	95
116		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. मण्डफिया	श्री दिनेश चन्द बैरवा	115
117		जिला स्तर	रा.बा.उ.मा.वि. शहर चितौडगढ़	श्री हनुमंत पुरोहित	97
118		स्थानीय संघ	स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूल, बड़ीसादड़ी	श्री चन्द्र कान्ता शर्मा	148
119		स्थानीय संघ	मगांरावि किरखेडा	श्री कुसुम वेदी	68
120		स्थानीय संघ	मगांरावि चन्देरिया	श्री पुखराजपुरी गोस्वामी	75
121	प्रतापगढ़	जिला स्तर	रा.बा.उ.मा.वि. प्रतापगढ़	श्री धर्मेन्द्र विरवाल	115
122		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. झासड़ी	श्री नरेन्द्र सिंह सिसोदिया	115
123		स्थानीय संघ	रा.बा.उ.मा.वि. अरनोद	श्री सत्यनारायण चौधरी	162

124		ग्रुप स्तर	नालन्दा एकेडमी थड़ा	श्री राकेश पाटीदार	150
125		ग्रुप स्तर	स्काउट कार्यालय पुराने नोहरे के पास धरियावद	श्री लक्ष्मण लाल मीणा	90
126		ग्रुप स्तर	रा.उ.मा.वि. डाबडा	श्रीमती मधुबाला चंदेल	170
127	डूंगरपुर	जिला स्तर	राजकीय महारावल उ.मा.वि. डूंगरपुर	श्री सुनील कुमार सोनी	110
128		स्थानीय संघ	महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय नं. 1 सागवाड़ा	श्री पुरूषोत्तम पुरोहित	140
129		स्थानीय संघ	रा.बा.उ.मा.वि. बिछीवाड़ा	श्री मक्सीराम फलेज	181
130	बांसवाडा	जिला स्तर	रा.बा.उ.मा.वि. नई आबादी	श्री दीपेश शर्मा	163
131		स्थानीय संघ	रा.उ.मा.वि. कूपड़ा	श्रीमती शबनम शेख	123
132		स्थानीय संघ	रा.उ.प्रा.वि. रावला अरथूना	श्री राजमल ताबियार	118
133		स्थानीय संघ	रा.उ.प्रा.वि. नवीन कुशलगढ़	श्री दिग्पाल सिंह राठौड़	138
उदयपुर मण्डल : जिला स्तरीय-7, स्थानीय संघ स्तर-15, ग्रुप स्तर-3, कुल- 25				**कुल संभागी**	**3092**

कुल शिविर : मण्डल स्तर-2, जिला स्तर-38, स्थानीय संघ स्तर-63, ग्रुप स्तर-30, कुल- 133; कुल संभागी 16213

बारां का तृतीय जिला अधिवेशन

स्काउट गाइड सामाजिक सरोकारों के पर्याय हैं। चाहे आपदा प्रबंधन हो या समाज सेवा का कोई दूसरा अवसर हो। स्काउट गाइड सदैव ऐसे मौके पर अपने सामाजिक सरोकारों को निभाते हैं। बारां जिले के प्रभारी सचिव टीकमचंद बोहरा आईएएस ने हरनावदा शाहजी में आयोजित किए गए स्काउट गाइड, जिला मुख्यालय, बारां के तृतीय जिला अधिवेशन के दौरान संबोधित करते हुए कहा कि स्काउटिंग बालकों में अनुशासन की नींव डालती है जिससे वह आगे चलकर सुसंस्कृत नागरिक बनते हैं।

आयोजन सचिव इंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि भारत स्काउट गाइड की जिला काउंसिल के वार्षिक अधिवेशन में मुख्य अतिथि श्री टीकमचंद बोहरा एवं विशिष्ट अतिथि राज्य सचिव डॉक्टर पी. सी. जैन, विशिष्ट अतिथि गेंदाराम रेगर, कोटा मंडल के सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर, एसडीओ छीपाबड़ौद अभिमन्यु सिंह, तहसीलदार मंजूर अली दीवान, जिला उप प्रधान ललित वैष्णव, नरेंद्र सिंह चौहान, नरेंद्र खण्डेलवाल रहे जबकि अध्यक्षता जिला उप प्रधान सत्यनारायण पारेता ने की। अधिवेशन में स्थानीय भामाशाहों नरेंद्र खण्डेलवाल, खादवाले, परमानन्द पारेता व्यवसायी, हंसराज नागर, नरेंद्र खण्डेलवाल मेडीकल वालों एवं अन्य के द्वारा भोजन एवं उपहार दिए गए।

अधिवेशन को संबोधित करते हुए राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने कहा कि स्काउटिंग गाइडिंग एक अंतर्राष्ट्रीय आंदोलन है जिसमें जुड़कर युवाओं में चरित्र निर्माण आसानी से किया जा सकता है।

सहायक राज्य सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर ने भी इस अवसर पर अधिवेशन को संबोधित किया। सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा एवं सी.ओ. गाइड सुनीता मीणा ने अधिवेशन के दौरान गत वर्ष के वार्षिक प्रतिवेदन, आय व्यय का लेखा, ऑडिट रिपोर्ट, वार्षिक बजट आगामी वर्ष का प्रस्तावित कार्यक्रम सहित कई प्रस्तावों को प्रस्तुत किया, जिसका सदन ने अनुमोदन किया। जिला जंबूरी में लगातार तीसरी बार कमिश्नर शील्ड जीतने पर शाहबाद संघ का सम्मान किया गया, वहीं जिला जंबूरी के सफल आयोजन हेतु स्थानीय संघ सचिव अटरू राजेंद्र कुमार शर्मा को भी सम्मानित किया गया। जिले के पहले लीडर ट्रेनर के रूप में नियुक्त लीडर ट्रेनर अमजद यूसुफी का भी स्मृति चिन्ह एवं स्कार्फ पहना कर अभिनंदन किया गया।

इस दौरान जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड आराधना सिंह, सचिव ब्रिज गोविंद टेलर, पवन मेहरा, संयुक्त सचिव गायत्री आचार्य, स्थानीय संघ प्रधान छीतर जांगिड़ सहित स्काउट गाइड प्रभारी गण मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन अमजद यूसुफी लीडर ट्रेनर ने किया।

हमारे महापुरुष

विक्रम अंबालाल साराभाई

विक्रम साराभाई के नाम को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम से अलग नहीं किया जा सकता। यह जग प्रसिद्ध है कि वह विक्रम साराभाई ही थे जिन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत को अन्तर्राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थान दिलाया। डॉ. साराभाई भारत के प्रमुख वैज्ञानिक थे। इन्होंने 86 वैज्ञानिक शोध पत्र लिखे एवं 40 संस्थान खोले। इन्हें विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में सन् 1966 में भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था तथा 1972 में (मरणोपरांत) पद्म विभूषण से अलंकृत किया गया। उल्लेखनीय है कि इसके साथ–साथ उन्होंने अन्य क्षेत्रों जैसे वस्त्र, भेषज, आणविक ऊर्जा, इलेक्ट्रोनिक्स और अन्य अनेक क्षेत्रों में भी बराबर का योगदान किया।

डॉ. साराभाई के व्यक्तित्व का सर्वाधिक उल्लेखनीय पहलू उनकी रूचि की सीमा और विस्तार तथा ऐसे तौर–तरीके थे जिनमें उन्होंने अपने विचारों को संस्थाओं में परिवर्तित किया। सृजनशील वैज्ञानिक, सफल और दूरदर्शी उद्योगपति, उच्च कोटि के प्रवर्तक, महान संस्था निर्माता, अलग किस्म के शिक्षाविद्, कला पारखी, सामाजिक परिवर्तन के ठेकेदार, अग्रणी प्रबंध प्रशिक्षक आदि जैसी अनेक विशेषताएं उनके व्यक्तित्व में समाहित थीं। उनकी सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि वे एक ऐसे उच्च कोटि के इंसान थे जिसके मन में दूसरों के प्रति असाधारण सहानुभूति थी। वह एक ऐसे व्यक्ति थे कि जो भी उनके सम्पर्क में आता, उनसे प्रभावित हुए बिना न रहता। वे जिनके साथ भी बातचीत करते, उनके साथ फौरी तौर पर व्यक्तिगत सौहार्द स्थापित कर लेते थे। ऐसा इसलिए संभव हो पाता था क्योंकि वे लोगों के हृदय में अपने लिए आदर और विश्वास की जगह बना लेते थे और उन पर अपनी ईमानदारी की छाप छोड़ जाते थे।

आरंभिक जीवन :

डॉ. विक्रम साराभाई का जन्म 12 अगस्त, 1919 को अहमदाबाद में एक समृद्ध परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम श्री अम्बालाल साराभाई और माता का नाम श्रीमती सरला साराभाई था। उनके पैतृक घर में उनके बचपन के समय सभी क्षेत्रों से जुड़े महत्वपूर्ण लोग आया करते थे। इसका साराभाई के व्यक्तित्व के विकास पर महत्वपूर्ण असर पड़ा। गुजरात कॉलेज से इंटरमीडिएट तक विज्ञान की शिक्षा पूरी करने के बाद वे 1937 में कैम्ब्रिज (इंग्लैण्ड) चले गए जहाँ 1940 में प्राकृतिक विज्ञान में ट्राइपोज डिग्री प्राप्त की। द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होने पर वे भारत लौटे और बंगलौर स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान में नौकरी करने लगे जहाँ वे सी.वी.रमण के निरीक्षण में कॉसमिक रेज़ पर अनुसंधान करने लगे।

1947 में उष्णकटीबंधीय अक्षांक्ष (ट्रॉपीकल लैटीच्यूड्स) में कॉस्मिक रे पर अपने शोधग्रंथ के लिए कैम्ब्रिज वि.वि. में उन्हें डाक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया।

फ्रांसीसी भौतिक वैज्ञानिक पीएरे क्यूरी जिन्होंने अपनी पत्नी मैरी क्यूरी के साथ मिलकर पोलोनियम और रेडियम का आविष्कार किया था, के अनुसार डॉ. साराभाई का उद्देश्य जीवन को स्वप्न बनाना और उस स्वप्न को वास्तविक रूप देना था।

स्वप्न द्रष्टा :

डॉ. साराभाई एक स्वप्नद्रष्टा थे और उनमें कठोर परिश्रम की असाधारण क्षमता थी। इसके अलावा डॉ. साराभाई ने अन्य अनेक लोगों को स्वप्न देखना और उस स्वप्न को वास्तविक बनाने के लिए काम करना सिखाया। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की सफलता इसका प्रमाण है।

डॉ. साराभाई में एक प्रवर्तक वैज्ञानिक, भविष्य द्रष्टा, औद्योगिक प्रबंधक और देश के आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक उत्थान के लिए संस्थाओं के परिकाल्पनिक निर्माता का अद्भुत संयोजन था। उनमें अर्थशास्त्र और प्रबन्ध कौशल की अद्वितीय सूझ थी। उन्होंने किसी समस्या को कभी कम करके नहीं आंका। उनका अधिक समय उनकी अनुसंधान गतिविधियों में गुजरा और उन्होंने

अपने असामयिक मृत्युपर्यन्त अनुसंधान का निरीक्षण करना जारी रखा। उनके निरीक्षण में 19 लोगों ने अपनी डाक्टरेट का कार्य सम्पन्न किया। डॉ. साराभाई ने अपने सहयोगियों के साथ राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 86 अनुसंधान लेख लिखे।

प्रखर व्यक्तित्व और सृजनशीलता :

कोई भी व्यक्ति बिना किसी डर या हीन भावना के डॉ. साराभाई से मिल सकता था, फिर चाहे संगठन में उसका कोई भी पद क्यों न रहा हो। साराभाई उसे सदा बैठने के लिए कहते। वह बराबरी के स्तर पर उनसे बातचीत कर सकता था। वे व्यक्ति विशेष को सम्मान देने में विश्वास करते थे और इस मर्यादा को उन्होंने सदा बनाये रखने का प्रयास किया। वे सदा चीजों को बेहतर और कुशल तरीके से करने के बारे में सोचते रहते थे। उन्होंने जो भी किया उसे सृजनात्मक रूप में किया। युवाओं के प्रति उनके उद्विग्नता देखते ही बनती थी। डॉ. साराभाई को युवा वर्ग की क्षमताओं में अत्यधिक विश्वास था। यही कारण था कि वे उन्हें अवसर और स्वतंत्रता प्रदान करने के लिए सदा तैयार रहते थे।

महान संस्थान निर्माता :

डॉ. साराभाई एक महान संस्थान निर्माता थे। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में संस्थान स्थापित करने में अपना सहयोग दिया। साराभाई से सबसे पहले अहमदाबाद वस्त्र उद्योग की अनुसंधान एसोसिएशन के गठन में अपना सहयोग प्रदान किया। इसका गठन भारत में वस्त्र उद्योग के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। उस समय कपड़े की अधिकांश मिलों में गुणवत्ता नियंत्रण की कोई तकनीक नहीं थी। डॉ. साराभाई द्वारा स्थापित कुछ सर्वाधिक जानी–मानी संस्थाओं के नाम इस प्रकार हैं– भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद; भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद; सामुदायिक विज्ञान केन्द्र, अहमदाबाद; दर्पण अकादमी फॉर परफार्मिंग आर्टस, अहमदाबाद; विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र, तिरूवनंतपुरम; स्पेस एप्लीकेशन्स सेंटर, अहमदाबाद; फास्टर ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर, कलपक्कम; वैरीएबल एनर्जी साईक्लोट्रोन प्रोजक्ट, कोलकाता; भारतीय इलेक्ट्रोनिक निगम लिमिटेड, हैदराबाद और भारतीय यूरेनियम निगम लिमिटेड, जादुगुडा, बिहार।

विज्ञान और संस्कृति :

डॉ. होमी जे. भाभा की जनवरी, 1966 में मृत्यु के बाद डॉ. साराभाई को परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष का कार्यभार संभालने को कहा गया। साराभाई ने सामाजिक और आर्थिक विकास की विभिन्न गतिविधियों के लिए अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में छिपी हुई व्यापक क्षमताओं को पहचान लिया था। इन गतिविधियों में संचार, मौसम विज्ञान, मौसम संबंधी भविष्यवाणी और प्राकृतिक संसाधनों के लिए अन्वेषण आदि शामिल हैं। डॉ. साराभाई द्वारा स्थापित भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद ने अंतरिक्ष विज्ञान में और बाद में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अनुसंधान का पथ

प्रदर्शन किया। साराभाई ने देश की रॉकेट प्रौद्योगिकी को भी आगे बढ़ाया। उन्होंने भारत में उपग्रह टेलीविज़न प्रसारण के विकास में भी अग्रणी भूमिका निभाई।

डॉ. साराभाई भारत में भेषज उद्योग के भी अग्रदूत थे। वे भेषज उद्योग से जुड़े उन चंद लोगों में से थे जिन्होंने इस बात को पहचाना कि गुणवत्ता के उच्चतम मानक स्थापित किए जाने चाहिए और उन्हें हर हाल में बनाए रखा जाना चाहिए। यह साराभाई ही थे जिन्होंने भेषज उद्योग में इलेक्ट्रोनिक आंकड़ा प्रसंस्करण और संचालन अनुसंधान तकनीकों को लागू किया। उन्होंने भारत के भेषज उद्योग को आत्मनिर्भर बनाने और अनेक दवाइयों और उपकरणों को देश में ही बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साराभाई देश में विज्ञान की शिक्षा की स्थिति के बारे में बहुत चिन्तित थे। इस स्थिति में सुधार लाने के लिए उन्होंने सामुदायिक विज्ञान केन्द्र की स्थापना की थी।

डॉ. साराभाई सांस्कृतिक गतिविधियों में भी गहरी रूचि रखते थे। वे संगीत, फोटोग्राफी, पुरातत्व, ललित कलाओं और अन्य अनेक क्षेत्रों से जुड़े रहे। अपनी पत्नी मृणालिनी के साथ मिलकर उन्होंने मंचन कलाओं की संस्था दर्पण का गठन किया। उनकी मेटी मल्लिका साराभाई बड़ी होकर भरतनाट्यम और कुच्चीपुड़ी की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना बनीं।

डॉ. साराभाई का कोवलम, तिरूवनंतपुरम (केरल) में 30 दिसम्बर, 1971 को देहांत हो गया। इनके सम्मान में तिरूवनंतपुरम में स्थापित थुम्बा इक्वेटोरियल रॉकेट लाउंचिंग स्टेशन और सम्बद्ध अंतरिक्ष संस्थाओं का नाम बदल कर विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र रखा गया। यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एक प्रमुख अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्र के रूप में उभरा है। 1974 में सिडनी स्थित अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान संघ ने भी निर्णय लिया है कि 'सी ऑफ सेरेनिटी' पर स्थित बेसल नामक मून क्रेटर अब साराभाई क्रेटर के नाम से जाना जाएगा।

घना राष्ट्रीय पक्षी अभयारण्य

स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

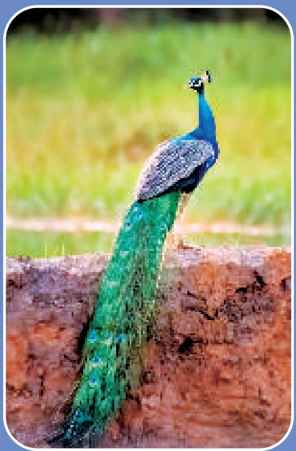

पौराणिक ब्रज क्षेत्र के एक भाग भरतपुर में केवलादेव (महादेव) मंदिर की अवस्थिति के कारण केवलादेव या घना कहा जाने वाला यह असाधारण रूप से विलक्षण राष्ट्रीय उद्यान वर्ष 1985 से यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल है। इस उद्यान का क्षेत्रफल 2.873 हेक्टेयर है।

सर्दी की ऋतु में सेंकड़ों वर्षों से करीब 365 प्रजातियों के प्रवासी पक्षी अफगानिस्तान, तुर्की, चीन और सुदूर साइबेरिया तक से हजारों किलोमीटर का सफर तय कर के घना पहुँचते आये हैं, इसका उल्लेख मुग़ल सम्राट बाबर के ग्रन्थ बाबरनामा में भी आता है। दुर्भाग्य से अनेक कारणों से अब इस राष्ट्रीय पार्क में पिछले कुछ सालों में साइबेरियन क्रेन की यात्राएं और प्रवास दुर्लभ हो चले हैं।

महान पक्षी विज्ञानी सालिम अली के अनुसार पक्षियों का यह अंतर्राष्ट्रीय प्रवास, एक अनसुलझी गुत्थी, 'एक रहस्य' है। शीतकाल में पक्षी विशेषज्ञों और पर्यावरण प्रेमियों के लिए ये जगह एक तरह से स्वर्ग बन जाती है, जब लगभग 230 से ज्यादा स्थानीय प्रजातियों के अलावा विदेशी परिंदे, जिनमें साइबेरियन क्रेन सर्वाधिक उल्लेखनीय हैं, यहां निर्द्वन्द्व दाना चुगते, घोंसले बनाते, प्रजनन करते देखे जा सकते हैं।

इतिहास

इस पक्षी विहार का निर्माण लगभग 250 वर्ष पहले किया गया था, जैसा ऊपर अंकित है, इसका नाम केवलादेव (शिव) मंदिर के नाम पर रखा गया था जो इसी पक्षी विहार के परिसर में स्थित है। प्राकृतिक ढाल होने के कारण, यहाँ वर्षा के दौरान अक्सर बाढ़ का सामना करना पड़ता था। इसलिए भरतपुर के शासक महाराजा सूरजमल ने अपने शासन काल (1726 से 1763 के दौरान) यहाँ 'अजान बाँध' का निर्माण करवाया, जो दो नदियों गँभीरी और बाणगंगा के संगम पर बनवाया गया था।

संरक्षित वन क्षेत्र घोषित किये जाने से पहले सन 1850 ईस्वी से रियासत काल में केवलादेव का इलाका भरतपुर राजाओं की निजी शिकारगाह हुआ करता था, जहाँ वे और उनके शाही मेहमान मुर्गाबियों का शिकार किया करते थे। अंग्रेज़ी शासन के दौरान कई वायसरायों और प्रशासकों ने यहां हजारों की तादाद में बत्तखों और मुर्गाबियों का संहार किया था। लॉर्ड लिलिनथगो जैसे अंग्रेजों ने 1938 में एक दिन की 'शूट' में यहां चार हज़ार दो सौ तिहत्तर परिंदो को गोली का निशाना बनाया था, ये शर्मनाक–तथ्य आज भी यहां अंकित पत्थर के एक शिलालेख पर अंकित है! भारत की स्वतंत्रता के बाद भी 1972 तक भरतपुर के पूर्व राजा को उनके क्षेत्र में शिकार करने की अनुमति थी, लेकिन 1982 से उद्यान से घास काटने और हरा चारा लेने पर भी प्रतिबन्ध लगा दिया गया, जो यहाँ के किसानों, स्थानीय गुर्जर समुदाय और सरकार के बीच हिंसक–झड़पों का कारण बना क्योंकि अभयारण्य के भीतर और आसपास आज भी कई पुराने गांव आबाद हैं।

घना का भूगोल

ब्रज की पौराणिक काल से चली आ रही 'चौरासी कोस परिक्रमा' का ही भाग है भरतपुर, जहाँ की अधिकांश भूमि समतल मैदानी है, पर चार प्रमुख

नदियों— रूपारेल, बाणगंगा, गंभीरी और पार्वती के कारण इसका कुछ हिस्सा दलदली/कछारी भी है और घना के विकास में इन बरसाती जल स्रोतों का बड़ा हाथ है।

भरतपुर जिले की उत्तरी सीमाएं हरियाणा के फरीदाबाद, दक्षिण में उत्तर प्रदेश के आगरा और धौलपुर, पश्चिम में करौली अलवर और दौसा जिलों से मिलती हैं। यहां की झीलों और बांधों— मोतीमहल, साही बाँध, बारेन बाँध के अलावा बयाना तहसील के बाँध बारेठा के आसपास स्वाभाविक तौर पर पक्षियों का निवास है। 90 किलोमीटर दूर करौली जिले के पांचना बाँध से भी अभयारण्य को नियमित या अनियमित तौर पर जलापूर्ति की जाती रही है। मिट्टी आम तौर पर कछारी है। यह अभयारण्य लगभग 29 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। साल भर सिर्फ एक से दो मीटर गहरा झील का पानी झील के सिर्फ 10 वर्ग किलोमीटर में रहता है, पर इतने पानी से ही उत्पन्न जलीय वनस्पतियां मछलियों की बहुत बड़ी तादाद पैदा करती है, जिन्हें अपना भोजन बनाने के लिए कई प्रजातियों के जल—पक्षी अपना स्थाई डेरा इस अभयारण्य को बनाना पसंद करते हैं।

हाँ, चिलचिलाती गर्मियों में घना का जंगल पूरा सूख जाता है, तब ट्यूबवेलों का सहारा लिया जाता है। परिंदों के दिन ग्रीष्म ऋतु में मुश्किल से निकलते हैं, पर वर्षा के आगमन के साथ ही रौनकें लौट आती हैं और सारा वन, एक दफा फिर पक्षियों की कलरव से गूंजने लगता है!

घना के जीव-जंतु

यह पक्षीशाला शीत ऋतु में दुर्लभ जाति के पक्षियों का 'दूसरा घर' बन जाती है। साईबेरियाई सारस, घोमरा, उत्तरी शाह चकवा, जलपक्षी, लालसर बत्तख आदि जैसे विलुप्तप्राय जाति के अनेकानेक पक्षी यहाँ अपना बसेरा करते हैं। सेही, सियार, अजगर, खरगोश, हिरन आदि के अलावा जंगली—बिल्ली भी यहाँ देखे जा सकते हैं।

घना की वनस्पतियां

सवाना घास के अलावा यहां Cynodon dactylon तथा Dichanthium annulatum किस्म की घास की पैदावार और कई तरह की झाड़ियाँ कुदरती हैं, जो पक्षियों के लिए उपयुक्त आवास हैं। घना में कदम्ब (Neolamarckia cadamba) और देसी बबूल के अनगिनत पेड़ हैं, जो पक्षियों के घोंसले बनाने के लिए आदर्श हैं। बरसातों में घना बाढ़ के पानी से भर जाता है और तुरंत बाद सैंकड़ों तरह की वनस्पतियाँ पूरे इलाके में सर उठा कर खड़ी हो जाती है।

भरतपुर पहुँचने के मार्ग

भरतपुर, आगरा से 35 किलोमीटर है, जहाँ के हवाई अड्डे से प्रतिदिन दिल्ली, बनारस, लखनऊ और मुम्बई की उड़ानें हैं। भरतपुर दिल्ली—मुंबई मार्ग पर बड़ी लाइन की कई रेलगाड़ियों से जुड़ा है। राष्ट्रीय राजमार्ग समेत सड़क मार्गों से भरतपुर का संपर्क देश के कई भागों से है। यहां से दिल्ली (184 किलोमीटर) जयपुर (175) अलवर (117) मथुरा (39) के बीच नियमित बस सेवाएँ हैं।

पृष्ठ सं. 10 का शेष

स्काउट शिविर की स्मृतियाँ

इस तरह की यात्राओं और अपने पाठ्यक्रम की गतिविधियों को पूरा करते हुए हमें आनंद की अनुभूति हो रही थी। अपने गुरुजनों का स्नेह और प्यार हमें दुगुने उत्साह से सींच रहा था। दिन भर की व्यस्तता को हम कैम्प फायर में नाच कूद कर दूर करते। इस तरह हमें पता ही नहीं चला कि कैसे सात दिन का वक्त गुजर गया। हम शिविर की गतिविधियों में इतने खो गए कि घर की याद ही नहीं आई। शिविर के अंतिम दिन जब हम सभी साथी एक दूसरे से जुदा होकर चलने लगे तब सब की आँखें नम हो गई। बिछड़ने का मन नहीं कर रहा था परंतु मजबूरीवश जाना पड़ रहा था। हमें विदा करते वक्त सभी प्रशिक्षकों की आँखों में आँसू छलक आए थे। जोशी जी तो कुछ ज्यादा ही भावुक हो रहे थे। हर्षवाल जी और पेलोड़ जी तो बार बार अपने ओठों को भींच कर पीड़ा को दबाने का प्रयास कर रहे थे। बलराज जी और सुभाष जी का चेहरा मायूस होता जा रहा था। जिन्हें देखकर मेरे तमाम साथियों के चेहरों पर उदासी झलक रही थी। हम महसूस कर रहे थे कि बिछुड़ने की पीड़ा कितनी करुणोत्पादक होती है? इन सबके बीच हमें एक नई ऊर्जा और खुशी का एहसास भी हो रहा था। हमने यहाँ से जो ज्ञान सीखा है वह हमारे आजीवन साथ रहेगा। अपने गुरुजनों का आत्मिक प्यार हममें सदैव आत्मविश्वास और नवीन ऊर्जा का संचार करता रहेगा। हम एक दूसरे से जुदा होकर भी आजीवन निकट बने रहेंगे।

इस शिविर की सफलता का पूरा श्रेय हमारे आदर्श संचालक मंडल को जाता है। इस तरह माउंट आबू (अर्बुद पर्वत) की यह यात्रा जीवन में अविस्मरणीय रहेगी। यह शिविर हमारे जीवन को एक नई पहचान दिलाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके यादगार अनुभव हमेशा स्मृतियों में रहेंगे।

याद बहुत आएंगे, मीठी बातों वाले दिन।
ऊमस भरी गर्मी में, ठंडी रातों वाले दिन।
बुलाती रह गई हँसती, मुस्काती वादियाँ।
याद बहुत आएँगे, ये मुलाकातों वाले दिन।

हमारा स्वास्थ्य

बारिश का मौसम और हमारी सेहत

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव
संकलनकर्ता

बारिश के मौसम में मलेरिया, डेंगू, सर्दी–खांसी, जुलाब, उल्टी, टाईफोइड, त्वचा रोग, पीलिया इत्यादि अनेक रोग फैलते हैं। जिस तरह हम बारिश से बचने के लिए छाते के इस्तेमाल करते है ठीक उसी तरह बरसात के मौसम में फैलने वाली इन बीमारियों से बचने के लिए हमें कुछ एहतियात रूपी छाते का इस्तेमाल करना चाहिए।

ग्रीष्मकाल के समाप्ति के बाद तपती हुई धरती पर जब बारीश की रिम–झिम बौछारें गिरती है तो वह समस्त सजीव को तरो तजा तो करती है पर साथ ही कई बीमारियों को आमंत्रण भी देती है। हर किसी को इस सुहाने मौसम का पूरा लुत्फ उठाने की इच्छा होती है पर साथ ही इस मौसम में लोग अक्सर जल्दी बीमार हो जाते हैं।

बारिश के मौसम में मलेरिया, डेंगू, सर्दी–खांसी, जुलाब, उल्टी, टाईफोइड, त्वचा रोग, पीलिया आदि अनेक रोग फैलते हैं। जिस तरह हम बारिश से बचने के लिए छाते के इस्तेमाल करते है ठीक उसी तरह बरसात के मौसम में फैलने वाली इन बीमारियों से बचने के लिए हमें एहतियात रूपी छाते का इस्तेमाल करना चाहिए।

वर्षा ऋतु में नीचे दी हुई जरुरी एहतियात बरते –

1) हमेशा ताजे और स्वच्छ सब्जी/फल का सेवन करें।

- ध्यान रहे की खाने से पहले फल/सब्जी को अच्छे से स्वच्छ पानी से धो कर साफ कर लें, खास कर हरी पत्तेदार सब्जी।
- बासी भोजन, पहले से कटे हुए फल तथा दुषित भोजन का सेवन न करें।
- हमेशा ताजा गरम खाना खाए।
- इस मौसम में सब्जी/फल जल्दी खराब हो जाते हैं इसलिए हमेशा ताजा फल या सब्जी का प्रयोग करें।
- इन दिनों में हमारी पाचन शक्ति सबसे कम होती है। इसलिए जरुरी है अधिक तला, भुना खाना न खाए बल्की ऐसा भोजन खाए जो आसानी से पच जाए। जब भूख लगे तब ही और जीतनी भूख हो उतना ही आराम से पचने लायक खाना लेना चाहिए।
- ज्यादा ठंडा, खट्टा न खाए। ज्यादा नमक वाली चीजें जैसे चिप्स, कुरकुरे, चटनी, पापड़ कम खाएं क्योंकि इस मौसम में शरीर में water retention की संभावना ज्यादा होती है।

2) बाहर का खाना मना है।

- बाहर का सड़क के किनारे मिलने वाला या होटल का खाना खाने से पूरी तरह बचना चाहिए।
- बाहर का खाना खाने से जुलाब, उलटी, टाईफोइड इत्यादी गंभीर रोग हो सकते है।
- सड़क के किनारे बेचे जाने वाले चायनिज़ फूड, भेल, पानी पूरी आदि फूड पॉईजनिंग के प्रमुख कारण हैं।

3) भरपूर स्वच्छ पानी का सेवन करें।

- वर्षा ऋतु में हवा में अधिक नमी होने के कारण शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकलती है और साथ ही पसीना भी ज्यादा आता है, ऐसे में जरुरी है कि शरीर में पर्याप्त पानी का प्रमाण रखने के लिए भरपूर पानी का सेवन करे।
- हमेशा उबाल कर ठंडा किया हुआ या फिल्टर किये हुए स्वच्छ पानी का सेवन करें। कम से कम 15 मिनट तक पानी अवश्य उबालें।
- ठंडा पेय पीने की बजाय तुलसी, इलायची की चाय या थोड़ा गरम पानी पीना ज्यादा फायदेमंद है।

4) बारिश से बचाव

- हर किसी को बारिश में भीगना पसंद है पर बारिश में ज्यादा देर तक भीगने से सर्दी–खांसी और बुखार हो सकता है।
- बारिश में भीगने पर ज्यादा देर तक बालों को गीला न रखें।
- अगर आप को अस्थमा है या फिर आपको जल्दी सर्दी–जुखाम–खांसी हो जाती है तो बारिश में न भीगे।
- बारिश से बचने के लिये छाता/रेनकोट का इस्तेमाल करें।
- कपड़े/जूते/चप्पल गीले हो जाने पर तुरंत बदल दें। ज्यादा समय तक गीले कपड़े पहनने से फंगल इत्यादि त्वचा रोग हो सकते हैं।
- डायबिटीज के मरीजो को विशेष रूप से अपने पैरों का ज्यादा ख्याल रखना चाहिये। पैर गीले होने पर तुरंत उन्हे साफ कर देना चाहिये।

5) बुजुर्गो की देखभाल

- बदलते मौसम मे बुजुर्गों के बिमार होने कि संभावना ज्यादा होती है। अतः जरुरी है कि उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखें।
- बुजुर्ग बारीश में ज्यादा बाहर न निकले। गरम चाय, कॉफी या सूप पिएं।
- ज्यादा कच्चे फल या सलाद न खाए।
- खाने में हल्दी, ईलायची, सौन्फ, दालचीनी का इस्तेमाल करें। रोग प्रतिकार शक्ति बढ़ती है।

6) अन्य सावधानियां

- रात्रि में सोने के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें।
- अपने घर के आस–पास गंदगी न होने दें। घर के आस–पास के गड्ढों को भर दें, जिससे बारिश का पानी रुककर सड़ने न पाए। इससे मच्छर उत्पन्न नही होंगे।
- घर कि अच्छी तरह फिनाईल से सफाई करे ताकि मक्खियाँ न आए।
- बच्चो को बारीश से पूर्व ही Typhoid और Hepatitis के vaccine लगवा दें।
- अपनी नियमित चल रही दवाईयों का अधिक खुराक जमा कर लें ताकि बारीश की वजह से बाहर न जा सकने पर दवा में कोई गैप न पड़े।
- किसी भी रोग की शंका होने पर तुरंत डॉक्टर के पास जाए।

उपचार से बचाव बेहतर है, इस नियम का पालन वर्षा ऋतू में करना जरुरी है। अतः हम उपर दिए हुए कुछ सावधानियां रखकर वर्षा ऋतू में सुरक्षित रहकर इस सुहाने मौसम का पूरा लुत्फ उठा सकते हैं।

जल बिन सब सून

राकेश टांक
शारीरिक शिक्षक एवं
सहा. लीडर ट्रेनर (स्काउट)
रा.उ.मा.विद्यालय कुंचौली
स्थानीय संघ- कुंभलगढ़
जिला- राजसमंद (राजस्थान)

जल ही जीवन है और इसके संरक्षण के बिना हमारे अस्तित्व की कल्पना संभव नहीं है।हम सभी के लिए जल जीवन का आधार है। इसके बिना जीवन की कल्पना की भी नहीं जा सकती। न आदमी,न जीव – जंतु और न हीं पेड़– पौधे कुछ भी नहीं होंगे जल बिन इस धरा पर। यूं तो जल प्रकृति की देन है परंतु इसका संरक्षण करना और मितव्ययिता पूर्वक उपयोग करना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है ।हमारे लिए पानी की एक–एक बूंद का महत्व है वर्तमान में दिन– ब– दिन गहराता पेयजल संकट भविष्य के प्रति जागरूक हो जाने का आह्वान कर रहा है कि 'जल है तो कल है'

जीवन जीने के लिए निःसंदेह जल ही मुख्य तत्व है क्योंकि शरीर के प्राणवान रखने का यही मुख्य आधार है पानी से ही पेड़ –पौधे जीवित रहते हैं इन्हीं की बदौलत हमें ऑक्सीजन प्राप्त होती है। चारों तरफ हरियाली छाई रहती है जो कि प्रदूषण मुक्ति का मुख्य कारक है।

जहां मनुष्य अनेक जगह अपनी सजगता एवं बुद्धि का हमेशा प्रदर्शन करता आया है वहीं जाने – अनजाने में कई भूलें भी करता जाता है उन्हीं भूलों में से एक है– जल का अंधाधुंध उपयोग करना।

हम सभी को हमारे रोजमर्रा के कार्यों में जल की बर्बादी को रोकने के छोटे–छोटे उपाय करके जल को बचाने का प्रण करके जल को बचाने में अपना अपना महत्ती योगदान देना वर्तमान समय में आवश्यक है। एक सर्वे के अनुसार 2030 तक जल की मांग आपूर्ति से दोगुनी हो जाएगी। भारत में 2041 से 2080 तक भूजल की कमी तीन गुना बढ़ जाएगी। हम सभी जानते हैं कि बूंद– बूंद पानी से घड़ा भरता है अतः जल जागरण अभियान में हम सभी को अपनी सहभागिता निभाई होगी। आइए हम सभी स्काउट गाइड के साथ संकल्प लेते हैं 'जल संजोने का' क्योंकि इस संसार को और हमें रोज पोषण देने वाली सबसे बड़ी जादुई शक्ति जल ही है । जल ही संसार की पहली और सर्वोत्तम औषधि है। अब समय आ गया है कि जल हमें हर हाल में बचाना ही होगा। जय भारत, जय राजस्थान।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में पर्यावरण संबंधी 'पर्यावरण विज्ञ व प्रकृति विज्ञ' दक्षता बैजों की जानकारी दी जा रही है।

पर्यावरण विज्ञ
ECOLOGIST

बालकों को पर्यावरण संतुलन और संरक्षण से अवगत कराने और इसके महत्व व प्रदूषित होते पर्यावरण को बचाने के लिए किये जाने वाले उपायों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से इकोलोजिस्ट दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। आमजन को पर्यावरणीय समस्याओं और समाधानों से अवगत कराना और जन चेतना के कार्य इस बैज का अहम् हिस्सा है। पर्यावरण विज्ञ दक्षता बैज का पाठ्यक्रम–

(1) पर्यावरण सन्तुलन के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं के बारे में जानकारी।

(2) पर्यावरण सन्तुलन के विषय में लोगों को वार्तालाप, दृश्य, श्रव्यादि माध्यमों से शिक्षित करने के लिए अपने क्षेत्र के किसी पर्यावरण विशेषज्ञ की सहायता प्राप्त करें।

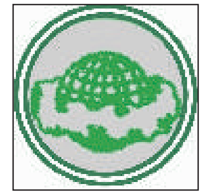

(3) 'वृक्षों को काटने' के विरूद्ध प्रचार करें।

(4) मानसून के समय 'वन महोत्सव' का आयोजन करें।

(5) अपने क्षेत्र की पर्यावरणीय– समस्याओं के बारे में लोगों को शिक्षित करे।

(6) निम्न में से किन्ही तीन समस्याओं के समाधान हेतु कार्य करें –

(अ) भू–क्षरण, (ब) वृक्षों का काटा जाना।
(स) पशु वध, (द) जल अपव्यय या जल प्रदूषण।
(य) वायु प्रदूषण, (र) कूड़ा–करकट फेंकना।

प्रकृति विज्ञ
NATURALIST

प्राकृतिक सौन्दर्य के विभिन्न रूपों को जानना, पहचानना और समझना प्रकृति विज्ञ दक्षता बैज उत्तीर्ण करने का मुख्य आधार है। वनस्पतियों, जीव–जन्तुओं और पादपों के विकास, रहन–सहन, गुण–अवगुण आदि की जानकारी बालक–बालिकाओं को अवश्य होनी चाहिये। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रकृति–विज्ञ दक्षता बैज का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। विवरण निम्नानुसार है–

(1) अपने निरीक्षण के आधार पर अपने शब्दों में निम्नलिखित को स्पष्ट करें –

एक जंगली फूल के उत्पन्न होने और विकसित होने की प्रक्रिया तथा इसके अलावा निम्न में से किस एक का –मेंढक या दादुर (टोड) का जीवन–चक्र, एक कीट या मकड़ी या मछली का जीवन–इतिहास। छः पक्षियों का विकास, आदतें, गाने या बोली (ध्वनि), चार जंगली जानवरों की आदतें, तालाब में पैदा होने वाले कुछ जीवों की आदतों को स्पष्ट करें।

(2) बसन्त, ग्रीष्म, पतझड़ और शीत ऋतुओं में से किन्ही दो की प्रकृति–पंजिका (Nature dairy) तैयार करें। इसमें स्वयं द्वारा देखे गए कम–से–कम 10 पक्षियों, 10 पौधों, 10 वृक्षों और 10 तितलियों और पतंगों का दिनाँक सहित स्थान आदि का विवरण हों और अन्य देखे गए जानवरों का संक्षिप्त विवरण हों तथा उस विवरण की व्याख्या पेंसिल–रेखाचित्र, पत्तियों को कार्बन द्वारा छापे या दबाए हुए नमूनों द्वारा समझाया गया हो।

अथवा

शहरी क्षेत्र में प्रकृति पुस्तिका (पंजिका) के स्थान पर निम्नलिखित में से एक विकल्प चुनकर लिया जा सकता है। जिला आयुक्त महोदय यह निर्णय करेंगे कि वह क्षेत्र के इस बैज के लिए शहर माना जाए या नहीं :–

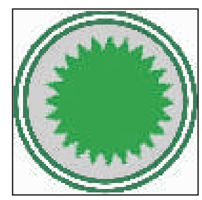

(i) 30 विभिन्न प्रजातियों के फूलों, कोमल घास (फर्न) और हरी घास को सुखा कर उन्हें पुस्तिका में लगाकर, उनके नाम, पाए जाने वाला स्थान, तिथि आदि देकर संग्रह करें, उनको पहचाने तथा उनमें से कम–से–कम दस के बारे में संक्षिप्त विवरण दे सके।

(ii) बीस विभिन्न वृक्षों की पत्तियों का फोटो या कार्बन चित्र या पेंसिल द्वारा रेखा–चित्रों का, उनके नाम, स्थान और दिनाँक सहित, संग्रह करें, उनको पहचान सके और 10 वृक्षों जिनके वे पत्ते हों, के रूप में वर्णन कर सकें।

(iii) दस जीवित पशुओं और पक्षियों को देख कर उनके रेखा–चित्र बनाए और उनमें से पाँच के इतिहास का वर्णन करें।

(iv) साठ विभिन्न प्रकार के पशुओं या पक्षियों के नाम बताए और उनमें से पाँच का इतिहास (जीवन लीला) लिखें।

(v) प्राणी–उद्यान के संग्रहालय या बिना नाम के रंगीन चित्र पटों को देखकर साठ विभिन्न प्रकार के पशुओं, पक्षियों, सरिसर्पों, मछलियों या कीट–पतंगों के नाम बता सके और उनमें से 20 के जीवन, आदतों, आकृति और अन्य पहचान का विवरण दे सकें।

(vi) तीस विभिन्न प्रकार के पशु और पक्षियों की आदतों का वर्णन करें और उनके गाने, बोलियों या आवाजों के आधार पर उनकी पहचान कर सकें।

गतिविधि पञ्चांग

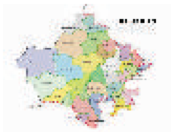

राज्य पञ्चांग

PROPOSED

नाम शिविर/गतिविधि	स्थान	तिथियां
स्काउटर/गाइडर एवं ट्रेनिंग कॉउन्सलर अभिनवन शिविर	जिला स्तर	31.07.2025 तक
स्काउट्र/गाइड्र बेसिक कोर्स	जिला स्तर	01 से 07.08.2025
राज्य स्तरीय सचिव संगोष्ठी	जगतपुरा,जयपुर	05.08.25
राज्य स्तरीय प्रभारी कमिश्नर संगोष्ठी	जगतपुरा, जयपुर	06.08.25
श्रीराम बाजपेयी जयन्ती पर संघन वृक्षारोपण–राज्य स्तर	(ग्रुप/स्था.संघ/जिला/मण्डल)	11.08.25
नेशनल लेवल आर्ट एण्ड क्राट वर्कशॉप	उदयपुर	19 से 25.08.2025
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 23.08.2025
हिमालय वुड बैज रि–यूनियन	मण्डल स्तर	21 से 22.08.2025
रामदेवरा मेला सेवा शिविर (सम्भाग स्तर)	पोकरण, जैसलमेर	मेले के अनुसार
श्री गणेश जी मेला सेवा शिविर (सम्भाग स्तर)	सवाईमाधोपुर	मेले के अनुसार
जिला स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली	करौली, झालावाड़, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ राजसमन्द	30.08.2025 तक
ऑर्गेनाइजिंग कमिश्नर सभा	अजमेर	30.08.25
राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	30.08.2025 तक
पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	30.08.2025 तक
19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी हेतु मीटिंग	जिला स्तर	30.08.2025 तक
निपुण/राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर	मण्डल/जिला स्तर	30.08.2025 तक
ग्रामीण रोवर/रेंजर निपुण प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.08.2025 तक
रोवर/रेंजर विकास समिति एवं यूथ कमेटी सभा	मण्डल स्तर पर	30.08.2025 तक
चतुर्थ चरण/हीरक पंख/गोल्डन ऐरो प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.08.2025 तक
द्वितीय/तृतीय सोपान/टोली नायक प्रशिक्षण शिविर	स्था.संघ स्तर	30.08.2025 तक

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
National Level Adult Leader Trekking prog.	27 - 31 August 2025	Trikutta Bhawan, Katra, J & K

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
14th Sri Lanka National Cubboree	15 - 17 August, 2025	North Central Province, Sri Lanka
15th Asia Pacific Regional Conference (WAGGGS)	19-23 August, 2025	New Delhi
Arts 4 Healing	19 - 25 September, 2025	Sangam, Pune, Maharashtra
28th Asia-Pacific Regional Scout Conference	12 - 17 October, 2025	Kaohsiung, Taiwan
Jamboree Denmark 2026	18 - 26 July 2026	Hedeland Naturepark
26th World Scout Jamboree-Poland	30 July - 08 August 2027	Gdansk, Northern Poland

National Headquarters website : www.bsgindia.org

चित्र विथिका

बूंदी जिले में 11 जुलाई को वन महोत्सव कार्यक्रम में पधारें लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला स्काउट गाइड के संग

बारां जिले के तृतीय जिला परिषद के वार्षिक अधिवेशन में मंचासीन अतिथि वार्षिक दर्पण का विमोचन करते हुए

पर्यावरण, वन औरजलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली से इको क्लब्स के निरीक्षण के लिए आए
कंसलटेंट नीति वर्मा एवं संजीत कुमार एम.के.बी. विद्यालय में पौधारोपण करते हुए

भारत स्काउट व गाइड, राजस्थान के उपाध्यक्ष एवं जल संसाधन राज्य मंत्री व कैबिनेट मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत से पुष्कर घाटी ट्रेनिंग सेंटर पर पानी की टंकी निर्माण हेतु निवेदन करते अजमेर के स्काउट गाइड अधिकारी। श्री रावत द्वारा शीघ्र कार्य प्रारंभ करने हेतु आश्वस्त करने पर प्रदेश संगठन का हार्दिक आभार।

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह

प्रकाशन – प्रत्येक माह

पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत

आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835

प्रेषक :-

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015

फोन : 0141-2706830, 2941098

ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com